RNI NO. RAJHIN/2013/57419

राजस्थान का सर्वाधिक ई-पेपर दैनिक

द पुलिस पोस्ट

अंदोलन नहीं अखबार

जयपुर
सोमवार
22 जुलाई, 2024

वर्ष: 10: अंक: 97

जयपुर, जैसलमेर, भीलवाड़ा से प्रसारित

दूरभाष: 01482: 433184: पृष्ठ: 08: मूल्य: 1.50 रुपए

न्यूज इनबॉक्स

प्रदर्शनकारियों की जीत, बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट ने नौकरी में आरक्षण कोटा घटाया

द पुलिस पोस्ट

ढाका। बांग्लादेश में सरकारी नौकरी में आरक्षण के विरोध में हुई हिंसा के बीच सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण के कोटे में कटौती करते हुए उच्च न्यायालय के फैसले को वापस लिया है। देशभर में अशांति के बीच फैसले से प्रदर्शनकारियों की जीत हुई है। बांग्लादेश में 1971 के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के रिश्तेदारों को सरकारी नौकरियों में बड़ा आरक्षण दिया गया था। बांग्लादेश सरकार ने 2018 में सेनानियों के रिश्तेदारों को सरकारी नौकरी में 30 फीसदी आरक्षण दिया था। इसका बांग्लादेश के छात्रों ने कड़ा विरोध किया और फैसला वापस ले लिया गया। अब मामला हाईकोर्ट में पहुंचा और हाईकोर्ट ने आरक्षण लागू कर दिया। इसके बाद बांग्लादेश के छात्रों में आक्रोश फैल गया। छात्रों ने प्रदर्शन शुरू कर दिए और कहा कि यह आरक्षण प्रणाली गलत है।

राजस्थान सरकार पुलिस सेवा में ओबीसी छूट खत्म करने के मामले में बैकफुट पर, जारी किया नया नोटिफिकेशन

द पुलिस पोस्ट

जयपुर। राजस्थान पुलिस सेवा में ओबीसी वर्ग में 5 साल की छूट खत्म करने के चलते भजनलाल सरकार बैकफुट पर आ गई है। इस मामले में सरकार ने यू टर्न लेते हुए कहा कि पुलिस सेवा में ओबीसी की 5 साल की उम्र सीमा की छूट खत्म नहीं होगी। इस दौरान सरकार ने दो दिन पहले जारी नोटिफिकेशन को कार्मिक सचिव की भूल बताई। इस गलती को सुधारते हुए सरकार ने नया नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। जिसमें साफ कर दिया है कि पुलिस सेवा नियम में ओबीसी के लिए आयु सीमा में 5 साल की छूट का प्रावधान यथावत रहेगा। पुलिस सेवा में ओबीसी वर्ग में 5 साल की छूट समाप्त करने को लेकर 2 दिन पहले कार्मिक सचिव ने एक नोटिफिकेशन जारी किया था। इस मामले में विरोध के बाद सरकार ने यू टर्न लेते हुए नया नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसमें सरकार ने साफ कर दिया है कि ओबीसी वर्ग को जो 5 साल की छूट दी जा रही थी, वह यथावत रहेगी।

भजनलाल सरकार का बड़ा फैसला..

जलदाय विभाग का होगा निजीकरण!

अब पीएचईडी विभाग का नाम होगा राजस्थान वाटर सप्लाई एंड सीवरेज कॉरपोरेशन

जलदाय विभाग ने शुरू की कवायद, पानी के बिल और आदेश भी आरडब्ल्यूएसएससी के नाम से आने लगे

चीफ इंजीनियर शहरी, एनआरडब्ल्यू मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त

द पुलिस पोस्ट

जयपुर। राजस्थान सरकार ने जलदाय विभाग का निजीकरण करने का फैसला लिया है। अब इसे राजस्थान वाटर सप्लाई एंड सीवरेज कॉरपोरेशन के नाम से जाना जाएगा। इस बदलाव की तैयारी जलदाय विभाग ने शुरू कर दी है और पानी के बिल और आदेश भी अब आरडब्यूएसएससी के नाम से आने लगे हैं।

निजीकरण का कारण और उद्देश्य

बताया जा रहा है कि जलदाय विभाग को ऋण प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या का समाधान करने के लिए विभाग ने निजीकरण का रास्ता चुना है। कॉरपोरेशन का गठन 1979 एक्ट के तहत किया जा रहा है और इससे उम्मीद है कि विभाग को वित्तीय सहायता और ऋण प्राप्त करने में आसानी होगी। चीफ इंजीनियर शहरी, एनआरडब्ल्यू को आरडब्यूएसएससी का मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया गया है।

विभाग को ऋण प्राप्त करने में हो रही थी कठिनाइयां, कॉरपोरेशन का गठन 1979 एक्ट के तहत किया जाएगा बदलाव

बेहतर सर्विस की संभावना

वहीं कुछ जानकार इस बदलाव को सकारात्मक रूप से देख रहे हैं, उनका मानना है कि निजीकरण से जलदाय विभाग में सुधार और बेहतर सर्विस की संभावना बढ़ जाएगी। वित्तीय स्थिति में सुधार से विभाग की कार्यक्षमता और सेवा गुणवत्ता में भी बढ़ोतरी होगी।

मतभेद और बहस की संभावना

राजस्थान में जलदाय विभाग के निजीकरण का फैसला एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे संबंधित पक्षों में मतभेद और बहस की संभावना है। जहां एक ओर इस फैसले से वित्तीय समस्याओं का समाधान और सेवा में सुधार की उम्मीद की जा रही है, वहीं दूसरी ओर कर्मचारियों और संगठनों के विरोध से इस पर अमल करना चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार और विरोधी पक्ष इस मुद्दे को कैसे सुलझाते हैं।

विरोध की लहर

हालांकि, इस निर्णय के विरोध में भी सुर उठने लगे हैं। जलदाय विभाग के निजीकरण के खिलाफ कल वाटर वर्क्स कर्मचारी संघ ने एक आपात बैठक बुलाई है। इस बैठक में निजीकरण के खिलाफ रणनीति पर चर्चा की जाएगी। वहीं, कई अन्य संगठन भी जल भवन में इकट्ठा होकर इस फैसले का विरोध करेंगे।

मानसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक, 44 पार्टियां शामिल हुईं

कांग्रेस ने डिप्टी स्पीकर पद मांगा; नीट, कांवड़ यात्रा का मुद्दा भी उठा

द पुलिस पोस्ट

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र और बजट से पहले पार्लियामेंट हाउस में ऑल पार्टी मीटिंग बुलाई गई। बैठक में बीजेपी समेत 44 पार्टियों ने हिस्सा लिया। बैठक की अध्यक्षता राजनाथ सिंह ने की। कई केंद्रीय मंत्री इसमें शामिल हुए। विपक्ष की तरफ से कांग्रेस, AAP, AIMIM, YSRCP व अन्य पार्टियों ने हिस्सा लिया।

कांग्रेस ने लोकसभा के डिप्टी स्पीकर का पद मांगा। साथ ही कहा- नीट मामले में लोकसभा में चर्चा हो। सपा नेता रामगोपाल यादव ने यूपी कांवड़ यात्रा रूट की दुकानों पर नेम प्लेट लगाने का मुद्दा उठाया।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बताया- बैठक में जेडीयू ने बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा मांगा, YSRCP ने आंध्र प्रदेश को भी विशेष दर्जा देने की मांग की।

केदारनाथ पैदल मार्ग पर 3 तीर्थयात्रियों की मौत

द पुलिस पोस्ट

रूद्रप्रयाग। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पर पत्थर गिरने से तीन तीर्थयात्रियों की मौत हो गई है। इस हादसे में 8 लोग घायल हुए हैं। यात्री गौरीकुंड से 3 किलोमीटर दूर चिड़वासा में बने पैदल मार्ग से केदारनाथ धाम की तरफ जा रहे थे, जब वे सुबह करीब 7:30 बजे पत्थरों की चपेट में आ गए। हादसे की जानकारी रुद्रप्रयाग डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर मैनेजमेंट के नंदन सिंह रजवार ने दी है।

केरल में 14 साल के लड़के की निपाह-वायरस से मौत

द पुलिस पोस्ट

मलप्पुरम। केरल के मलप्पुरम में निपाह वायरस से पीड़ित 14 साल के लड़के की रविवार को मौत हो गई। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि पीड़ित लड़के को सुबह 10.50 बजे दिल का दौरा पड़ा। इसके बाद उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर भी रखा गया, लेकिन सुबह 11.30 बजे उसकी मौत हो गई।

मेडिकल कॉलेजों के शिक्षकों ने सामूहिक अवकाश पर जाने की घोषणा की, सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

द पुलिस पोस्ट

जयपुर। वर्ष 2017 से सरकारी मेडिकल कॉलेजों में चिकित्सा शिक्षकों की नियुक्ति राज्य सरकार की एक स्वायत्त संस्था 'राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसायटी' (राजमेस) द्वारा की जाती है। चिकित्सक शिक्षकों ने नियमों में विसंगतियों का आरोप लगाते हुए सोसायटी द्वारा राजस्थान सिविल सेवा (संशोधित वेतन) नियम 2017 को अपनाने की मांग की।

राजमेस में राजस्थान सिविल सेवा नियम अपनाए जाएंगे

राजमेस आरएमसीटीए वेलफेयर सोसायटी के उपाध्यक्ष डॉ। राजेंद्र यादव ने बताया कि राज्य सरकार ने हाल ही में बजट में घोषणा की थी कि राजमेस में राजस्थान सिविल सेवा नियम अपनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि चिकित्सक शिक्षक संघ ने इसका स्वागत किया था। लेकिन, बाद में मालूम हुआ कि यह एक अगस्त 2024 या उसके बाद नियुक्त शिक्षकों पर लागू होगा।

खुशखबरः 9 लाख से ज्यादा घरों को मिलेगी 300 यूनिट बिजली फ्री

द पुलिस पोस्ट

जयपुर। केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना के तहत राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में 9 लाख से ज्यादा घरों को 300 यूनिट प्रतिमाह मुफ्त बिजली दी जाएगी। इस योजना का जिम्मा पंचायती राज संस्थाओं को दिया गया है। योजना को बढ़ावा देने वाली ग्राम पंचायतों को 1000 रुपए प्रति घर के हिसाब से प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराई जाएगी। जो ग्राम पंचायत के विकास कार्यों में खर्च होगी। दरअसल ग्रामीण इलाकों में 300 यूनिट बिजली फ्री देने के लिए फरवरी 2024 में पीएम सूर्य मुक्त बिजली योजना शुरू की गई थी। राजस्थान में ग्रामीण इलाकों के 9 लाख 27 हजार 901 घरों को इस योजना के तहत 300 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी। इसके लिए ग्रामीण इलाकों में सोलर रूफटॉप स्थापित किए जाएंगे। योजना के तहत जुलाई माह तक 46 हजार 395, अगस्त माह में 1 लाख 85 हजार 580 घर, सितंबर माह तक 3 लाख 71 हजार 160, अक्टूबर माह तक 5 लाख 56 हजार 740, नवंबर माह तक 7 लाख 42 हजार 320 और दिसंबर माह तक 9 लाख 27 हजार 901 घरों को मुफ्त बिजली देने लक्ष्य तय किया गया है।

खबर संक्षेप

जम्मू कश्मीरः नौशेरा में सड़क हादसा, 3 की मौत

जम्मू। राजोरी के नौशेरा में इको वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हो गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है और पांच घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए जीएमसी राजोरी में ले जाया गया है। जम्मू संभाग के जिला राजोरी में सड़क हादसा हो गया है। बताया जा रहा है कि एक इको वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हो गया। घायलों को इलाज के लिए जीएमसी राजोरी में ले जाया गया है।

जम्मू में आया हल्का भूकंप, अफरा-तफरी

कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। किश्तवाड़ में भूकंप आने से लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार पहाड़ी जिले में शाम 5.34 बजे भूकंप आया था। भूकंप की गहराई सतह से 10 किलोमीटर नीचे की बताई जा रही है। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक अभी तक कहीं से भी नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। रिक्टर स्केल पर भूंकप की तीव्रता 3.5 मापी गई है।

गुरु पूर्णिमा पर स्नान

प्रयागराज । रविवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रयागराज जिले के फाफामऊ में श्रद्धालुओं ने गंगा नदी में डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया।

दक्षिण चीन सागर में बढ़ सकता है तनाव

फिलीपींस व वियतनाम के दावों को ताइवान ने किया खारिज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

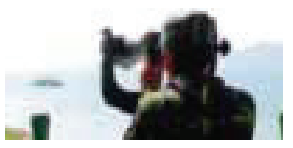

ताइवान के विदेश मंत्रालय ने दक्षिण चीन सागर के विवादित क्षेत्र में विस्तारित महाद्वीपीय शेल्फ पर फिलीपींस और वियतनाम के दावों को खारिज कर दिया है। इससे दक्षिण चीन सागर में तनाव बढ़ सकता है। जानकारी के अनुसार, ताइवान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों की कार्रवाईयां ताइवान की संप्रभुता और अंतर्राष्ट्रीय और समुद्री कानूनों का उल्लंघन करती हैं। ताइवानी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'दोनों देशों द्वारा किए गए दावे 'अस्वीकार्य' हैं और दक्षिण चीन सागर में अपने द्वीपों पर रिपब्लिक ऑफ चाइना (ताइवान) के संप्रभु अधिकारों पर जोर दिया। हालांकि, ताइवान ने यह भी कहा कि ताइवान अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ 'परामर्श के आधार पर' दक्षिण चीन सागर से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए तैयार है।

मलेशिया के 17वें किंग इस्कंदर की हुई ताजपोशी

इब्राहिम अगले 5 साल तक मलेशिया के राजा रहेंगे

एजेंसी ▶▶ कुआला लुम्पुर

मलेशिया में इब्राहिम इस्कंदर की शनिवार को ताजपोशी हुई। इसी के साथ इब्राहिम देश के 17वें महाराज बन गए। मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर के नेशनल पैलेस में यह समारोह हुआ। इस्कंदर अगले 5 साल तक मलेशिया के राजा रहेंगे। 1957 में ब्रिटेन से आजादी के बाद से मलेशिया में मलय राज्य के शासक बारी-बारी से 5 साल के कार्यकाल के लिए राजगद्दी संभालते आए हैं। ताजपोशी समारोह में मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के अलावा पड़ोसी देश ब्रुनेई के सुल्तान हसनल बोलकियाह और बहरीन के राजा हमद-बिन-इसा-अल-खलीफा भी मौजूद थे। किंग इस्कंदर ने सुनहरे धागों से सजा कोट और साफा पहना हुआ था। समारोह की शुरुआत में सुल्तान इस्कंदर ने और क्वीन रजा जरिथ सोफिया का मिलिट्री सैल्यूट के सात स्वागत हुआ।

लद्दाख की खूबसूरती के मुरीद हुए सिंगापुर के उच्चायुक्त

बोले- जरूर करनी चाहिए अतुल्य भारत में एक आध्यात्मिक यात्रा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग ने लोगों को लद्दाख की यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित किया है। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख अपनी प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व के लिए जाना जाता है। सिंगापुर के उच्चायुक्त ने कहा कि अतुल्य भारत आध्यात्मिक यात्रा अवश्य करनी चाहिए। साइमन वोंग ने लद्दाख का दौरा करने के बाद रविवार को एक्स पर एक पोस्ट साझा की और कहा, सभी को रविवार की शुभकामनाएं! लद्दाख, अतुल्य भारत में एक आध्यात्मिक यात्रा अवश्य करनी चाहिए। लद्दाख आध्यात्मिक साधकों और रोमांच के शौकीनों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य है, जो अपने आश्चर्यजनक पहाड़ों, झीलों और मठों के लिए जाना जाता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने जेलेंस्की से फोन पर की बात और कहा

दुनिया में शांति लाऊंगा और युद्ध को करूंगा खत्म

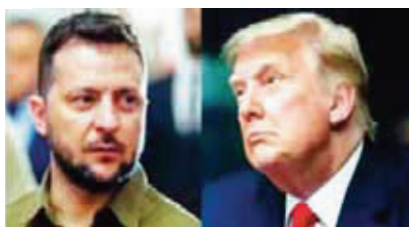

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फोन पर बात की। ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की ने मुझे बेहद सफल रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन और अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने पर बधाई दी। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि मैं अमेरिका के आपके अगले राष्ट्रपति के रूप में दुनिया में शांति लाऊंगा और उस युद्ध को खत्म करूंगा।

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को वोलोदिमीर जेलेंस्की से फोन पर बात की। इस दौरान उन्होंने रूस के साथ यूक्रेन के युद्ध को समाप्त करने का वादा किया।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से फोन पर बात हुई। उन्होंने मुझे बेहद सफल रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन और अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने पर बधाई दी। यह कॉल इसलिए महत्व रखती है, क्योंकि आधिकारिक तौर पर रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने के बाद किसी विदेशी नेता के साथ यह उनकी पहली बातचीत है।

यह पांच नवंबर के चुनावों में उनकी जीत की संभावनाओं के बारे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच बढ़ती जागरूकता को भी दर्शाता है।

जेलेंस्की ने ट्रंप पर हुए हमले की निंदा की

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि मैं अमेरिका के आपके अगले राष्ट्रपति के रूप में दुनिया में शांति लाऊंगा और उस युद्ध को खत्म करूंगा, जिसने इतने सारे लोगों की जान ले ली है। अनगिनत निर्दोष परिवारों को तबाह कर दिया है। दोनों पक्ष एक साथ आ सकेंगे और एक समझौते पर बातचीत कर सकेंगे, जो हिंसा को समाप्त करेगा और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा। वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बातचीत के दौरान ट्रंप पर हाल में हुए हमले की भी निंदा की।

नीट पेपर लीक में पहचान बदलकर मेडिकल कॉलेज पहुंची सीबीआई

डॉक्टरी कर रहे 2 स्टूडेंट गिरफ्तार, भरतपुर में किराए के कमरे में रह रहे थे

द पुलिस पोस्ट

भरतपुर। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने भरतपुर (राजस्थान) के जगन्नाथ पहाड़िया मेडिकल कॉलेज के दो स्टूडेंट को गिरफ्तार किया है। दोनों स्टूडेंट ने डमी कैंडिडेट बनकर हजारीबाग (झारखंड) में 5 मई को पेपर दिया था। सीबीआई की टेक्निकल सर्विलांस टीम ने दोनों स्टूडेंट के एग्जाम के दौरान हजारीबाग में मौजूद होने की पुष्टि की। इसके बाद सीबीआई का स्टाफ नेशनल मेडिकल काउंसिल का स्टाफ बनकर 16 जुलाई को भरतपुर के मेडिकल कॉलेज पहुंची। दोनों स्टूडेंट के बारे में जानकारी जुटाई और किराए के कमरे से गिरफ्तार किया।

प्रिंसिपल बोले- सीबीआई की कार्रवाई को लेकर जानकारी नहीं

गिरफ्तार किए गए दोनों छात्रों में एक जोधपुर का कुमार मंगलम विश्नोई और दूसरा दौसा जिले का दीपेंद्र कुमार है। फिलहाल कॉलेज से दोनों छात्रों के बारे में अधिक जानकारी नहीं मिल पाई है। रविवार दोपहर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. तरुण कुमार ने

कुमार मंगलम विश्नोई

दीपेंद्र कुमार

बताया- एनएमसी की टीम बनकर 16 जुलाई को रैगिंग प्रकरण में जांच करने कुछ लोग कॉलेज के कैंपस में आए थे। उसी दिन सीएम भजनलाल शर्मा के पिता बाथरूम में स्लिप होकर घायल हो गए थे। मैं उन्हें लेकर जयपुर चला आया था। टीम को कॉलेज में ही छोड़ आया था। सीबीआई की कार्रवाई के बारे में जानकारी नहीं है।

एक मेडिकल स्टूडेंट को तीन महीने के लिए किया गया था निष्कासित

जानकारी के मुताबिक, कुमार मंगलम विश्नोई कॉलेज में रैगिंग मामले में भी दोषी था। उसे इसी साल मार्च महीने में 3 महीने के लिए कॉलेज से निष्कासित भी किया गया था। इसके साथ ही कुमार मंगलम पर 25 हजार का जुमार्ना भी लगाया गया था। इसकी जानकारी उइक को थी। इसलिए सबसे पहले 16 जुलाई को सीबीआई की टीम एनएमसी की टीम बनकर मेडिकल कॉलेज पहुंची। सीबीआई की टीम में रैगिंग प्रकरण के मामले की जांच के बहाने सॉल्वर गैंग का पता लगाया। मेडिकल कॉलेज में सीबीआई टीम के बारे में किसी को भनक तक नहीं लगी। सॉल्वर गैंग का पता लगाने के बाद सीबीआई मेडिकल कॉलेज से चली गई। इसके बाद दोबारा सीबीआई की टीम 18 जुलाई को मेडिकल कॉलेज पहुंची। इसके बाद टीम भरतपुर शहर में पहुंची, जहां किराए का कमरा लेकर दोनों स्टूडेंट रहते थे। कमरे से कुमार मंगलम और दीपेंद्र कुमार को गिरफ्तार किया। कुमार मंगल 2022 और दीपेंद्र 2023 बैच का स्टूडेंट है। दोनों स्टूडेंट दोस्त हैं।भरतपुर में नेशनल हाईवे 21 पर रामपुरा स्थित जगन्नाथ पहाड़िया मेडिकल कॉलेज। इसी कॉलेज के 2 स्टूडेंट को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। भरतपुर में नेशनल हाईवे 21 पर रामपुरा स्थित जगन्नाथ पहाड़िया मेडिकल कॉलेज। इसी कॉलेज के 2 स्टूडेंट को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है।

दोनों स्टूडेंट पेपर सॉल्व करते थे

सीबीआई की जांच में सामने आया कि कुमार मंगलम और दीपेंद्र पेपर सॉल्व करते थे। नीट मामले में पटना एम्स से पकड़े गए आरोपियों के मोबाइल डिटेल खंगाले तो इन दोनों के बारे में जानकारी मिली थी। परीक्षा वाले दिन का लोकेशन निकाला गया तो दोनों की उपस्थिति हजारीबाग मिली। इसके बाद टीम भरतपुर के लिए रवाना हो गई।

जोधपुर एम्स का स्टूडेंट हुकमाराम चल रहा फरार

इसी मामले में जोधपुर एआईआईएमएस का स्टूडेंट्स हुकमाराम भी फरार है। वह प्रयागराज के एक मशहूर डॉक्टर राजेश प्रसाद पांडे के बेटे राज पांडे की जगह बिहार के सेंटर पर एग्जाम देने बैठा था। इसके लिए उसे 4 लाख रुपए मिलने थे। सेंटर पर बायोमेट्रिक जांच के दौरान पकड़ा गया था। इसी संबंध में पिछले दिनों बिहार पुलिस जोधपुर भी आई थी। हुकमाराम को जोधपुर एम्स ने सस्पेंड कर दिया है। यह सस्पेंशन बिहार हाईकोर्ट के अगले फैसले तक रहने वाला है।

नीट को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई

नीट को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। नीट में गड़बड़ी से जुड़ी 40 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार 18 जुलाई को तीसरी सुनवाई थी। इससे पहले 8 जुलाई और फिर 11 जुलाई को सुनवाई हुई थी। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की डिवीजन बेंच मामले की सुनवाई कर रही है।

मास्टरमाइंड संजीव मुखिया तक पहुंचने में जुटी सीबीआई

बिहार में पेपर लीक का मुख्य सरगना संजीव मुखिया है। यह नालंदा जिले के नगरनौसा का रहने वाला है। मामला सामने आने के बाद से ही यह फरार है। माना जा रहा है कि गिरफ्तार रॉकी और फरार संजीव मुखिया का बेहद खास है। संजीव अब तक सीबीआई की पहुंच से दूर है। सीबीआई की टीम लगातार संजीव के ठिकाने तक पहुंचने में जुटी है।

विश्व हिंदू परिषद के प्रतिनिधि मंडल ने भीलवाड़ा महानगर के सभी प्रमुख संतों का किया गुरु पूजन

द पुलिस पोस्ट

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर भीलवाड़ा महानगर में सभी मंदिरों में गुरु पूजन कर संतो का आशिर्वाद लिया। महानगर अध्यक्ष राम प्रसाद बहेड़िया व मीडिया प्रभारी प्रितेश जैथलिया ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भीलवाड़ा के सभी प्रमुख मंदिरों में सभी संतों का गुरु पूजन किया गया सभी संतो को शॉल ओढ़ाकर माला पहनाकर भगवा दुपट्टा एवम श्री फल देकर भेट कर गुरु पूजन किया गया कार्यकताओं ने गुरू पूजन करते समय जय श्री राम सनातन धर्म की जय भारत माता की जय के नारों से माहोल को गुंजायमान कर दिया। इस मौके पर प्रान्त के धर्मा चार्य प्रमुख बाल मुकुंद शर्मा,विनीत त्रिवेदी,विजय ओझा,भारत गेगत,अखिलेश व्यास,सौम्य मेहता,विराट सोनी,मुकेश मंडोवरा,सजय सेन, कमल राज पुरोहित, सत्तू बजंरगी पवन गुर्जर आदि कार्यकता मोजुद रहे।

सुखवाल ब्राह्मण समाज ने मनाई ऋष्य श्रृंग जयंती, वाहन रैली निकाल कर दिया सामाजिक एकता का परिचय

द पुलिस पोस्ट

आज गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सिखवाल समाज के वंश प्रवर्तक ऋष्य श्रृंग की जयंती सुखवाल ब्राह्मण समाज मनाता है इसके तहत समाज की विभिन्न संस्थाओं ने तीन दिन का विशेष आयोजन रखा जिसमें आज वाहन रैली का आयोजन किया गया वाहन रैली में समाज के युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया एवं महिलाओं ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी डीजे की धुन पर नाचते गाते हुए सभी ने यह महोत्सव धूमधाम से मनाया रैली मे जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश जोशी ,सागर पांडे ,राजेंद्र ओझा ,पुष्पेंद्र ओझा ,तनसुख व्यास ,सुशील सुखवाल ,लादू लाल व्यास सुखवाल युवा प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता ,समस्त सुखवाल समाज ने उपस्थिती दी

सिविल प्रोफेसर रोहित ने किया एनआईटी क्षेत्र का नाम रोशन –विधायक नीरज शर्मा

द पुलिस पोस्ट

बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में रोहित भाई ने एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल जीता है और एक नया मुकाम हमारे पूरे क्षेत्र को दिया है मैं परमपिता परमेश्वर से यही प्रार्थना करता हूं कि भाई इसी प्रकार अपने जीवन काल में प्रगति करें, खूब उन्नति करे और हमारे क्षेत्र का नाम सदैव ऊंचा करें। राजा जैतसिंह राजकीय पॉलिटेक्निक नीमका में सीनियर लेक्चरर(सिविल विभाग) पद पर तैनात रोहित(जयदत) ने दिल्ली नेशनल कप नेचुरल बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में किया गया था। प्रतियोगिता में विभिन्न प्रदेशों के 400 के करीब खिलाडि?ं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में रोहित ने दो श्रेणियों में दो पदक एक रजत व एक कांस्य पदक जीत कर फरीदाबाद का नाम रोशन किया है। रोहित इस प्रतियोगिता में इससे पहले चैन्नई व गोवा प्रतियोगिता में भी भाग ले चुका है। उन्होंने बताया कि कडी मेहनत और लगन से कुछ भी प्राप्त किया जाता है। उनका कहना है कि

उन्होंने प्राकृतिक तरीके से कड़ी मेहनत करके शरीर को बनाया है। उन्होंने बताया कि वे पिछले लगभग आठ- दस साल से अपने शरीर को बनाने के लिए कडी मेहनत कर रहे थे। जिसका फल आज दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर दो पदक जीत कर हुआ। उन्होंने बताया कि हैल्दी डाईट व बेहतरीन प्रशिक्षक के मार्ग दर्शन में उन्हें यह सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि उनका आगे का लक्ष्य नेचुरल बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत कर क्षेत्र व देश का नाम रोशन करना है। रोहित का कहना है कि नौकरी लगने के बाद भी उनका इस खेल प्रति जनून बना रहा, इसके लिए वह घंटों तक सुबह-सांय कडी मेहनत करते है। उन्होंने बताया कि उन्होंने कभी भी सफलता प्राप्त करने के लिए शार्ट-कट तरीका नहीं अपनाया। रोहित का कहना है कि वे खुद भी रॉयलफिट हब जिम सेक्टर-55 में प्रमाणित फिटनेस ट्रेनर है। वहां पर दर्जनों बच्चों को इस खेल की बारिकियां बतलाते हैं। जिससे उनके जिम में प्रशिक्षण लेकर खिलाड़ी आगे राष्ट्रीय व अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकें।

संयुक्त निदेशक से शिक्षा निदेशालय में संगठन की विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा

द पुलिस पोस्ट

शिवगंजः- राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत के नेतृत्व में प्रदेश पदाधिकारियो ने राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय के संयुक्त निदेशक टीमाराम मीणा से संगठन की प्रदेश स्तरीय वार्ता कर शिक्षकों की विभिन्न सेवारत समस्याओं के 24 बिन्दुओं का ज्ञापन सौंपा। संघ (प्रगतिशील) के मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने संयुक्त निदेशक का ज्ञापन सौंपकर बताया कि पातेय वेतन प्राप्त कॉमर्स स्नातक वरिष्ठ अध्यापकों को प्रधानाध्यापक उ.प्रा.वि. के रूप में पदोन्नत करने, सातवें वेतन आयोग में शिक्षकों को फिक्सेशन की ऑप्शन डेट 1.1.2016 के स्थान पर 1.1.2017 कर रि-फिक्सेशन करने, शिक्षकों को बीएलओ ड्युटी से मुक्त करने, परिवीक्षाकाल में शिक्षकों एवं कर्मचारियों के असारण अवकाश स्वीकृति 30 दिन में करने, कुक-कम-हेल्परों की नियुक्ति 100 विद्यार्थियों तक एक, 100 से 150 तक दो, 150 के बाद प्रति 100 नामांकन बढने पर एक कुक-कम-हेल्पर बढाकर मिड-डे-मिल की गुणवत्ता बढाने, राजकीय विद्यालय में छात्र अनुपात के आधार पर शिक्षकों के नये पद सृजित करने, शारीरिक शिक्षक के नियुक्ति का मानदण्ड छात्र नामांकन के प्रावधान हटा कर प्रत्येक मिडिल स्कूल में शा.शि. की नियुक्ति करने, प्रत्येक विद्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नियुक्ति करने, राज्यभर में शहरी क्षेत्र में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में नियुक्ति का प्रावधान कर पद भरने, मिड-डे-मिल योजनान्तर्गत कुक कम हेल्पर मानदेय, कुकिंग कर्न्वजन शाशि हेतु प्रतिमाह राशि आवंटित करने, मिड-डे-मिल हेतु एन जी ओ को अधिकृत करने, पारस्परिक स्थानान्तरण के लिए सक्षम

अधिकारियों को अधिकृत करने, तहसील मुख्यालय पर विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यालय एवं जिला मुख्यालय पर मुक-बधिर विद्यालय खोलने, पीडी हेड से वेतन व्यवस्था प्रति माह 1 तारिख को सुनिश्चित करने, शिक्षकों को नियुक्ति तिथि से चयनीत वेतनमान के समस्त परिलाभ देने, शिक्षकों के लिए पारदर्शी स्थाई स्थानान्तरण नीति बनाने, राज्य कर्मचारियों के लिए आरजीएसएस योजना को सुचारू करनें, परीक्षा के समय शिक्षकों के प्रशिक्षणों पर रोक लगान, कक्षा प्रथम में प्रवेश की आयु 5 वर्ष करने, टीएसपी क्षेत्र के जिलों में शिक्षकों के पद भरने के लिए नॉन-टीएसपी क्षेत्र में कार्यरत टीएसपी जिले के निवासी शिक्षको को टीएसपी क्षेत्र में लगाने सहित विभिन्न मुद्दो पर चर्चा के बाद सकारात्मक निर्णय हुआ। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष नीरज शर्मा, सभाध्यक्ष धुलीराम डांगी, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ.हनवन्तसिंह मेडतिया, लच्छीराम गुर्जर, नलिन शर्मा, सुनिल व्यास, रमेश रांगी उपस्थित थे।

सिरोही शिवगंज कस्बे के कांबेशवर रोड पर स्थित बाबा खेतानाथ जी आश्रम शनि धाम में गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम खडेश्वरी श्री योगी राजनाथ जी महाराज के सानिध्य में और गुरुदेव खडेश्वरी 1008 श्री श्री योगी रविनाथजी के गुरु पुजन के साथ में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज सर्वप्रथम श्री खड़ेश्वरी योगी राजनाथ जी का शनिधाम आश्रम में प्रातः 8:00 बजे चातुर्मास के लिए शनि भक्तों ने गाजे बाजे के साथ धूमधाम से मंगल प्रवेश कराया । इसके उपरांत श्री खड़ेश्वरी योगी रवीनाथजी का गुरु पूजन किया गया एवं एवं भक्तों द्वारा राजनाथ जी का गुरु पूजन किया गया तत्पश्चात महाराष्ट्र से आए हरण पंडित द्वारा आश्रम में पधारे हुए सभी भक्तों को श्रावण मास के सवा लाख पार्थिव लिंग पूजन पर जानकारी दी गई । महेंद्र रावल ने बताया कि इस क्षेत्र में प्रथम बार पार्थिव लिंग पूजन हो रहा है जिससे कि इस क्षेत्र का कल्याण होगा दिन भर भक्तों का ताता लगा रहा और भक्तों में उत्साह का वातावरण बना हुआ था इस अवसर पर देवाराम रावल, महेंद्र रावल, पूरारामजी कुमावत, प्रकाश बोराणा ,

सोहन कुमावत, पुखराज भाटी, जितेंद्र भाटी, रमेश भाटी, मांगीलाल जी भाटी, बालक दास, तुषार, अशोक मंडली, रमेश पंडित, महेश दास, सुखदेव कुमावत, मदन मीणा , दिनेश कुमार, सुरेंद्र सांवरिया, वरदाराम माली ,सादलाराम बोराणा, शंकर लाल खेजडिया, सुरेश कुम्हार, महेंद्र अग्रवाल, विक्रम तोषनीवाल, राजाराम गलथनी, प्रकाश घाची, विष्णु भाटी,अशोक मिस्त्री, हीरालाल कुमावत, कन्हैयालाल सुथार, किशोर सुथार , भैरारामजी , ओम पुरी, मांगीलाल जी कुमावत, बाबू कुमावत, दिनेश प्रजापत, दिनेश परमार, किशोर कुमावत, प्रदीप माली, जीवाराम नांदेड़ तथा शनि धाम आश्रम के समस्त भक्तगण एवं योगी राजनाथ जी के पचपदरा वाले समस्त शिष्यगण उपस्थित रहे

मंत्री किरोड़ी के काफिले की 3 गाड़ियां आपस में टकराईं:डंपर को बचाने में हुआ हादसा, किसी को चोट नहीं आई

द पुलिस पोस्ट

सवाई माधोपुर। कैबिनेट मंत्री व सवाई माधोपुर विधायक डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के काफिले में शामिल तीन गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई। रविवार दोपहर को मलारना डूंगर थाना क्षेत्र के लालसोट-कोटा हाईवे पर भाडौती पुलिस चौकी के सामने यह हादसा हुआ। किरोड़ी लाल मीणा का काफिला सवाई माधोपुर से लालसोट की तरफ जा रहा था। काफिले की कार डंपर को बचाने के चक्कर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर को बचाने में आगे चल रहे कार ड्राइवर ने ब्रेक लगा दिया। जिसके चलते एक साथ तीन कार आपस में भिड़ गई। हादसे के वक्त मंत्री किरोड़ी लाल मीणा की कार सबसे आगे चल रही थी। उनके पीछे काफिले में चल रही कार दुर्घटनाग्रस्त हुई। हालांकि दुर्घटना में किसी प्रकार की कोई जन हानि नहीं हुई। मगर तीन लग्जरी कार क्षतिग्रस्त हो गई। किरोड़ी रविवार को गुरु पूर्णिमा महोत्सव कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए सवाई माधोपुर पहुंचे थे। सवाई माधोपुर से कार्यक्रम में शिरकत कर लालसोट की तरफ जा रहे थे। भाड़ौती कस्बे में होकर मंत्री मीणा का एक दर्जन से अधिक गाड़ियों का काफिला गुजर रहा था। तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार डंपर को बचाने के चक्कर में उनके काफिले में एक कार ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिया। इससे काफिले में पीछे चल रही एक साथ तीन गाड़ियां आपस में टकरा गई। हालांकि मंत्री डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा दुर्घटना के दौरान आगे निकल चुके थे। हादसे में किसी प्रकार की हादसे में जन हानि नहीं हुई।

पहले गला काटा,फिर पेट-चेहरे पर 42 वार किए घर देर से आने पर टोकती थी मकान मालकिन

द पुलिस पोस्ट

जयपुर। जयपुर के गोनेर रोड पर शनिवार दोपहर घर में मंजू शर्मा (45) की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। हत्यारे ने महिला का गला काटने के बाद पेट में 25 वार किए। इसके बाद चेहरे पर भी 17 से अधिक वार किए। पुलिस ने मंजू शर्मा के किराएदार के भांजे को डिटेन किया है। आरोप है कि घर देर से आने पर मंजू शर्मा अपने किराएदार के भांजे (17) को टोकती थीं। इसीलिए उसने हत्या कर दी। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में भांजा संदिग्ध अवस्था में दिखा भी है।

बेटा घर पहुंचा तो खून से लथपथ मिली मां

मंजू शर्मा (मृतका) के पति सतीश शर्मा (52) की मच्छ पीपली, गोनेर रोड पर हैपी बुक डिपो के नाम से दुकान है। इसके अलावा सतीश प्रॉपर्टी का भी काम करते हैं। सतीश का घर खोह नागोरियान थाना इलाके के गोनेर रोड राधा कृष्ण मंदिर के सामने गौरव वाटिका में है। जेएनयू मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस कर रहा उनका बड़ा बेटा मौसम शर्मा शनिवार दोपहर 1:20 पर घर पहुंचा।

उसने देखा कि घर में खून फैला है। बेड के नीचे चादर से कुछ ढका हुआ था। चादर हटाते ही मौसम की चीख निकल पड़ी। सामने लहूलुहान मंजू शर्मा पड़ी थीं। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी भी आ गए। मौसम ने अपने पिता, चाचा और महात्मा गांधी में बी-फार्मा कर रहे छोटे भाई कल्पेश को फोन कर घटना की जानकारी दी। पिता-पुत्र व आसपास के लोग उसी चादर में लपेटकर मंजू को एसएमएस हॉस्पिटल ले गए। डॉक्टरों ने बताया कि महिला की मौत एक से डेढ़ घंटे पहले हो चुकी है।

3 साल पहले दूसरी मंजिल पर किराए पर रखा था

पति सतीश ने बताया कि 3 साल पहले परिचित के कहने पर राहुवास, दौसा निवासी एक परिवार को घर की दूसरी मंजिल पर किराए पर रखा था। वह प्राइवेट जॉब करता था। उसके परिवार में अन्य लोगों के आने पर पहले भी कहासुनी हुई थी।

महिला का मोबाइल भी साथ ले गया कातिल

मंजू का मर्डर जिस कमरे में किया उसके बाहर तक खून फैला मिला। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध (किराएदार का भांजा) की पहचान पुलिस ने की। हत्या करने के बाद आरोपी महिला का मोबाइल भी अपने साथ ले गया था। हत्या कर वह प्रेम नगर पुलिया के नजदीक अपने कमरे पर पहुंचा। वहां खुद के कपड़े जलाने के बाद उसने महिला का मोबाइल और हत्या के काम में लिया चाकू छुपाकर वापस एसएमएस हॉस्पिटल पहुंच गया था। एसएमएस अस्?पताल में वह मृतका के परिजनों के साथ ही खड़ा हो गया, ताकि किसी को शक नहीं हो। वारदात के समय किराएदार दंपती के घर पर नहीं होने और हत्याकांड के बाद भी नहीं पहुंचने पर शक की सुई को अटका दिया।

आरोपी सुबह भी आया था, फिर वापस चला गया

संदिग्ध आरोपी पहले चेहरा ढककर शनिवार सुबह 10.30 बजे मंजू (मृतका) के घर आया, लेकिन वापस चला गया। इसके बाद वारदात के इरादे से वह वापस दोपहर 12.30 बजे आया। इसी दौरान घटना कर वहां से अपने किराए के कमरे पर चला गया। दोपहर 12 बजे मंजू शर्मा ने अपने बेटे मौसम से बात की थी। इससे पहले 12 बजे उनके पति सतीश शर्मा भोजन कर वापस अपनी दुकान पर गए थे।

परिजनों ने ही जताया था किराएदार पर शक

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। वारदात को देखते हुए यह तो साफ हो गया था कि हत्यारा कोई परिचित ही है। सतीश व उनके भाई एडवोकेट खेमचंद से पुलिस ने पूछताछ की तो किराएदार पर शक हुआ। उन्होंने पुलिस को बताया कि किराएदार श्रीकांत निवासी राहुवास (दौसा) के भांजे का उनके घर आना-जाना लगा रहता था। उसकी गतिविधियां संदिग्ध होने पर उसे टोकने पर झगड़ा भी होता था। पुलिस ने जब आरोपी के बारे में पता किया तो वह एसएमएस हॉस्पिटल में ही मंजू के परिजनों के साथ मिला। इसके बाद उसे पकड़कर पूछताछ शुरू की गई। घटना के बाद लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया। गुस्साए लोगों ने स्थानीय बाजार बंद करवा दिया था। हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग करने लगे थे। पुलिस ने गुस्साए लोगों को शांत करवाया था।

नानी का भी गला दबाया, धक्का मारा, 22 टांके आए

हैरत की बात है कि हत्या के बाद आरोपी ऊपरी मंजिल पर नानी कोकिला के पास गया। उसने पैंट पर खून लगे होने का कारण पूछा। पहले तो उसने कहा कि सांप आ गया था, उसे मारा है। नानी ने दुबारा पूछा तो उसने नानी का भी गला दबाकर धक्का मार दिया। उसका सिर फट गया, 22 टांके आए हैं। कोकिला का एसएमएस के ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है। कोकिला के साथ किराएदार श्रीकांत भी हैं। शनिवार रात पुलिस ने श्रीकांत और उसके भांजे से पूछताछ भी की थी। उधर, एसीपी मालवीय नगर आदित्य पूनिया का कहना है कि हम इस केस की गंभीरता को देखते हुए कड़ी से कड़ी जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। अभी पुलिस के हाथ कोई ठोस सबूत नहीं लगे हैं। पुलिस जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर घटना का पदार्फाश करेगी।

सुपारी देकर अपने ही बेटे की हत्या करवाई:पूछताछ में बेहोश हो जाती आरोपी मां, मर्डर के लिए अजमेर के 2 बदमाशों को दिए थे ढाई लाख

द पुलिस पोस्ट

अजमेर। कानपुर के कपड़ा व्यापारी नदीम की ढाई लाख में सुपारी देकर हत्या करने के मामले में उसकी मां आरिफा व अजमेर के दो जनों को गिरफ्तार किया है। चार जून को व्यापारी की गर्दन काटने के बाद बॉडी को उन्नाव के अजगैन थाना क्षेत्र में कुएं में फेंक दिया था। व्यापारी के मामा ने हत्या का मुकदमा दर्ज कराया। करीब 45 दिन बाद पुलिस ने कई कड़ियों को जोड़ते हुए शनिवार को पुलिस ने खुलासा कर दिया। एएसपी दक्षिणी प्रेम चंद्र ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मां आरिफा दुकान और मकान बेचना चाहती थी। इससे मिली रकम किसी और को देना चाहती थी, इसी बात का बेटा विरोध कर रहा था, जिस कारण ये मर्डर किया गया।

मां ने ही की थी बेटे की बॉडी की पहचान

कानपुर के अलहमद रेजीडेंसी इफ्तिखाराबाद निवासी नदीम की अनवरंज में कपड़े की दुकान थी। चार जून को वह दुकान गए, पर लौटे नहीं। इसके बाद परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। गुमशुदगी दर्ज कराई। 5 जून को उन्नाव के अजगैन इलाके में कुएं में एक शव मिला था। सूचना पर नदीम के परिवार वाले मौके पर पहुंचे। मां ने बेटे नदीम के रूप में बॉडी की पहचान की। हत्या कर शव फेंकने की आशंका जताई। नदीम के मामा ताहिर की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया।

अजमेर के बदमाश को पकड़ने पर जुड़ते गए तार

पुलिस के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज और

सर्विलांस की मदद से अजमेर के लोंगिया गली निवासी सलीम नाम के बदमाश को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने नदीम का हत्या किए जाने की बात स्वीकार की। पुलिस के कड़ाई से पूछताछ करने पर सलीम ने बताया कि अजमेर के कोटड़ा में रहने वाले हसम अली खान ने उसको सुपारी दी थी। जब और तफ्तीश हुई तो पता चला कि हसम अली खान, नदीम की मां आरिफा का करीबी है। पुलिस ने मां और हसम के रिश्तों को जोड़ते हुए गहराई से जांच की। तब जांच में सामने आया कि मुख्य साजिशकर्ता आरिफा है। आरिफा ने ही हसम अली से बेटे की हत्या कराने को कहा था।

चरस का नशा कराया, गर्दन काट फेंक दिया था

45 दिनों से आरोपी की तलाश में घूम रही अजगैन पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के बाद घटना को अंजाम देने की कहानी सुनी तो दंग रह गई। आरोपी ने बताया- सलीम अजमेर से 3 जून को कानपुर पहुंचा था। आरिफा ने नदीम से कहा एक परिचित आए हैं। परेड पर हैं। उनको शहर में घुमा दो। नदीम सलीम से मिला। उनको लेकर बिल्हौर मकनपुर गया। इस दौरान नदीम की हत्या करने की तैयारी थी, लेकिन नहीं कर सका था। फिर उसने दूसरे दिन देवा शरीफ जाने की बात कही।

पीछे से आकर धारदार हथियार से काट दिया गला

4 जून की सुबह नदीम बाइक से सलीम को लेकर देवा शरीफ गए। देर रात जब वापस लौट रहे थे। अजगैन इलाके में लखनऊ-कानपुर हाईवे किनारे दोनों रुके। चरस पी। इसके बाद सलीम बोला कि पेशाब करके आ रहा हूं। नदीम बैठा था। फिर अचानक

से पीछे से सलीम ने धारदार हथियार से उसका गला काट दिया। सिर पर एक दो वार किए और उसको कुएं में फेंक दिया। वहां से कानपुर सेंट्रल आकर ट्रेन पकड़ी और अजमेर चला गया था। ढाई लाख में हत्यारोपी को बुक किया था। कुछ पैसा बकाया होने पर लेने आया था, तभी पुलिस ने धर दबोचा।

मां से पुलिस ने पूछताछ की तो बेहोशी हो जाती थी

घटना के बाद पुलिस ने कई बिन्दुओं पर जांच पड़ताल की। पुलिस जब मां से घटना को लेकर जानकारी करना चाहती थी तो वह बेहोश होकर गिर जाती थी और टाल-मटोल कर जाती थी, तब से ही पुलिस को शक मां पर शक था। उधर सूत्रों के मुताबिक हसम अली को आरिफा पैसे देती थी। कुछ महीने से वह दुकान और मकान बेचने की तैयारी कर रही थी। जो भी रकम उससे मिली वह हसम को देना चाहती थी। इस बात का विरोध नदीम कर रहा था। इसलिए आरिफा ने बेटे को ही रास्ते से हटाने की साजिश रची। आरिफा का कहना था, नदीम मुझे दुकान और मकान नहीं बेचने दे रहा था। रोज लड़ता, झगड़ता था। मुझ पर रौब जमाता था, इसलिए रास्ते से हटा दिया।

शातिर इटनी की फोन कॉल का इस्तेमाल नहीं किया

घटना के बाद पुलिस ने पूरे परिवार के लोगों का सीडीआर निकलवाया तो कहीं भी हत्या से जुड़े तार नहीं मिल पा रहे थे। पुलिस ने शक के आधार पर वॉट्सऐप चेक किया तो आरोपी, मां और अन्य वॉट्सऐप के जरिए कांटेक्ट में थे, जिससे पुलिस न पकड़ ना सके।

जमीन बेचने के नाम पर 60 लाख की ठगी:रिटायर्ड फौजी और महिला सहित पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

द पुलिस पोस्ट

जोधपुर। महामंदिर निवासी एक व्यक्ति के साथ कम रेट में जमीन खरीदने के नाम पर 60 लाख की ठगी हो गई। युवक ने जब रजिस्ट्री करवाने की बात कही तब मुकरने के बाद युवक ने महामंदिर थाने में रिटायर्ड फौजी व एक महिला सहित 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। महामंदिर रेलवे स्टेशन के पीछे मारवाड़ नगर निवासी 42 वर्षीय रविन्द्र राठी पुत्र नंद किशोर राठी ने बताया कि उसे फलोदी जिले के लोहावट निवासी 45 वर्षीय पूर्व फौजी धन्नाराम विश्नोई ने नागोर के नेवरा रोड पर कम दर में जमीन ऑफर की। उसने बताया कि 70 लाख रुपए बीघा जमीन के भाव है लेकिन वह 60 लाख रुपए बीघा जमीन दे देगा। इस पर उसने भरोसा कर दो माह पहले उसे 30 लाख रुपए दिए फिर उसने कहा कि बाकी पैसे जयपुर में देने है तब वह बचे हुए तीस लाख रुपए जयपुर में अशोक कुमार विश्नोई को दिए। लेकिन जब रजिस्ट्री करवाने की बात की तब वह पहले टालते रहे फिर मुकर गए इस पर रविन्द्र राठी ने धन्नाराम, राकेश सारण, अनिल कुमार विश्नोई, मैना देवी पत्नी अशोक कुमार विश्नोई के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

हरी शेवा उदासीन आश्रम में गुरु पूर्णिमा पर्व हर्षोल्लास से मनाया

बाबा शेवाराम साहब का मासिक प्राकट्य उत्सव भी मनाया

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा। गुरुजनों को समर्पित गुरु पूर्णिमा का पर्व हरी शेवा उदासीन आश्रम में बड़े हर्ष उल्लास एवं श्रद्धा भाव से मनाया गया। प्रातः काल महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन के सानिध्य में संत मयाराम, संत राजाराम, संत गोविंदराम, ब्रह्मचारी संत इंद्रदेव, कुणाल, सिद्धार्थ, मिहिर सहित श्रद्धालुओं ने जगद्गुरु श्री श्रीचंद्र जी महाराज, गुरुजनों की समाधियों, चरण पादुका, छड़ी साहब, आसण साहब का वैदिक मंत्रोचार के साथ पूजन अर्चन किया। पंडित सत्यनारायण शर्मा एवं पंडित मनमोहन शर्मा द्वारा मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ एवं हवन भी करवाया गया। जिसमें यजमान के रूप में सूरत,मुंबई, बडौदा, अहमदाबाद, अजमेर आदि स्थानो से आए हुए भक्तजनों ने सम्मिलित होकर आहूतियां दी। माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के प्रतिनिधि के रूप में देवस्थान विभाग अजमेर से प्रशासनिक

अधिकारी शशि शर्मा गुरु पूर्णिमा के दिन हरि शेवा उदासीन आश्रम पहुंच कर महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। ज्ञातव्य है कि सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग अजमेर गिरीश बच्चानी के मार्फत दक्षिणा, श्रीफल, शॉल व श्रीमान मुख्यमंत्री का पत्रक प्राप्त हुआ। आश्रम में भीलवाड़ा सांसद श्री दामोदर प्रसाद अग्रवाल, शाहपुरा विधायक

श्री लालाराम बैरवा, रविंद्र कुमार जाजू, प्रवक्ता विनोद झुरानी, सनातन सेवा समिति के अशोक मूंदड़ा, बद्रीलाल सोमानी, सत्यनारायण श्रोत्रिय, विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल आदि के सदस्यों ने पहुंच कर स्वामी जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उपस्थित आश्रम के संतों, शिष्यों, भक्तों व श्रद्धालुओं ने हरी शेवा आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन को माल्यार्पण,श्रीफल भेंट कर पूजन अर्चन किया एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धालुओं ने अपने सतगुरु बाबा आत्माराम साहब, बाबा मनीराम साहब ,बाबा कृपाराम साहब, बाबा हरिराम साहब, बाबा शेवाराम साहब, बाबा गंगाराम साहब को तिलक, चंदन केसर श्रीफल एवं पुष्प अर्पित कर शीश निवाया और सिमरन किया। महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने अपने गुरुजनों को याद कर उन्हें अपना पथ प्रदर्शक बताते हुए कहा कि गुरु पूर्णिमा का पर्व हमें अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है। उन्होंने अपने गुरुजनों के उपदेशों को याद करते हुए कहा कि यह सेवा सुमिरन का जो पथ है वह उन्हें अपने गुरुओं से ही प्राप्त हुआ है, जिस पर चलते हुए हरि शेवा आज अनेक प्रकार के सेवा प्रकल्प संचालित कर रहा है। आज के कार्यक्रम में आश्रम के ट्रस्टी-सचिव हेमंत वच्छानी, जीवन नानकानी, सुरेश आहूजा, जयराम अभिचंदानी, पल्लवी वच्छानी , राहुल बालानी, प्रकाश मूलचंदानी, लछमन दौलतानी, कन्हैया लाल मोरयानी, अम्बालाल नानकानी, हीरालाल गुरनानी, रतन चंदनानी, हरीश गुरनानी, मोहन दास थावानी, किशन लाल मोरियानी, रमेश नेभवानी, धन्नालाल माली, हरीशेवा एसटीसी विद्यालय के सचिव ईश्वरलाल आसनानी, प्राचार्य कैलाश श्रोत्रिय, स्टाफ सहित अनेक संस्थाओ संगठनो समाज के महानुभाव प्रबुद्धजन एवं अनुयायिगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर भंडारा प्रसाद का आयोजन हुआ तथा अन्नपूर्णा रथ के माध्यम से राहगीरो व जरूरतमंदों के लिए अन्न क्षेत्र सेवा की गई। संध्याकालीन सत्र में पूर्णिमा के अवसर पर पूज्य बाबा शेवाराम साहेब जी का मासिक प्राकट्य उत्सव भी मनाया गया। सत्संग में महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम जी ने संतो के साथ बेड़ा धीरे-धीरे तर गया तथा सतगुरु जी पूजा क्यूं, सतगुरु जो ध्यान धरूं आदि भजनो से अपने गुरुओं की स्तुति की एवं सभी से गुरु के वचनों का पालन करने को कहा। आश्रम के ब्रह्मचारी बालकों ने गुरु तुहिन्जा वचन सुहाना और बाबा हरिराम तुहिन्जा बचड़ा आहियूं सहित अनेक भजन गाकर गुरु की महिमा का बखान किया। श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी का आयोजन हुआ।

वृक्षारोपण : अब नहीं तो कब...?

तनवीर जाफ़री

वृक्षारोपण को इस समय मानव जीवन के अस्तित्व से जोड़कर देखने की जरुरत है। किसी सरकार, शासन या प्रशासन की तरफ मुंह देखने के बजाये जनता को स्वयं इसे जनांदोलन के रूप में लेना होगा और अपनी आदतों में शामिल करना होगा। याद रहे कि सरकारें वृक्षारोपण का शोर कर सकती हैं, इसपर चलाये जाने वाले अभियान का प्रचार कर सकती हैं,

उस कोरोना काल को याद कीजिये जब कोविड प्रभावित लोग ऑक्सीजन के बिना तड़प तड़प कर मर रहे थे। पैसे खर्च करने पर भी ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही थी। देश के तमाम ऑक्सीजन प्लांट्स के फेल होने की खबरें सुनाई दे रही थीं। शमशान घाट लाशों से पटे पड़े थे। नदियों में लावारिस लाशें तैरती नजर आ रही थीं। उसी दौरान अनेक समझदार लोग ऐसे भी थे जिन्होंने पेड़ों पर अपना डेरा बना लिया था। कोई पेड़ के ऊपर चारपाई बांध कर लेटा बैठा रहता था तो तमाम लोग शुद्ध व ताजी ऑक्सीजन की चाह में पेड़ों के नीचे पनाह लेने को मजबूर थे। उस दौर में देश के लाखों ग्रामीणों ने तो बगीचों में ही अपना लगभग स्थाई अड्डा बना लिया था। गोया महामारी जैसे संकट के उस दौर में भी प्रकृति हमें पेड़ों व दरख़्तों के माध्यम से निःशुल्क ऑक्सीजन प्रदान कर रही थी। एक युवा पेड़ हमें एक वर्ष में लगभग 7 क्विंटल ऑक्सीजन प्रदान करता है जबकि हमारे लिये हानिकारक व हमारे ही द्वारा विभिन्न माध्यमों से छोड़ी जाने वाली लगभग 20 टन कॉर्बन डाई ऑक्साइड को भी खींच (सोख) लेता है।

आज पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग का शिकार है। गत दस वर्षों से पृथ्वी के लगातार बढ़ते तापमान के कारण पूरे विश्व में ग्लेशियर पिघलने लगे हैं। आदिवासियों से उनके जल जंगल जमीनों के अधिकार छीन कर उद्योगपतियों के हवाले किये जा रहे हैं। ब्राजील से लेकर भारत तक बड़े पैमाने पर विकास के नाम पर वृक्षों की कटाई की जा रही है। मिसाल के तौर पर मध्य भारतीय राज्य छत्तीसगढ़ में हसदेव अरण्य वन के लाखों पेड़ अडानी द्वारा संचालित परसा ईस्ट केते बासेन कोयला खदान के विस्तार के लिये स्थानीय ग्रामीणों व आदिवासियों के प्रबल विरोध के बावजूद पुलिस बल की निगरानी में काटे जा रहे हैं। जबकि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का संकल्प लिया है। प्रचार के अनुसार इसी अभियान के तहत मध्यप्रदेश में साढ़े पांच करोड़ पौधे लगाए जाएंगे और इसी क्रम में 51 लाख पौधे केवल इंदौर में लगाये जाने की योजना है। इस समय देश का शायद ही कोई ऐसा विभाग हो जिसने वृक्षारोपण को लेकर सक्रियता न दिखाई हो।

इसका एक प्रमुख कारण यह है कि इस वर्ष गर्मी का जितना प्रकोप भारत सहित पूरी दुनिया ने झेला उतनी प्रचंड गर्मी पहले कभी नहीं देखनी व सहनी पड़ी। पूरे विश्व में लाखों लोग तेज गर्मी की तपिश सहन न करते हुये तड़प कर मर गये। इसलिये इस भीषण गर्मी में भी लोगों को वृक्षों ने आकर्षित किया तथा पेड़ों ने अपनी जरूरत का एहसास कराया। गौरतलब है कि एक बड़े वृक्ष के नीचे औसतन चार डिग्री तापमान कम रहता है। साथ ही यही वृक्ष तेज धूप की तपिश से भी बचाता है। वर्तमान युग में बढ़ती गर्मी का एक कारक प्रदूषण भी है। प्रदूषण में धुएं के अतिरिक्त धूल मिटटी शोर गुल यानि ध्वनि प्रदूषण का भी अहम योगदान है। परन्तु एक स्वस्थ वृक्ष एक वर्ष में न केवल 20 किलोग्राम से अधिक धूल मि ी अपने आप में सोख लेता है बल्कि शोर गुल यानि ध्वनि प्रदूषण को भी कम करता है। इतना ही नहीं बल्कि यही वृक्ष करीब 1 लाख वर्ग मीटर प्रदूषित हवा का भी निस्पंदन करता है। यही वृक्ष 80 किलोग्राम पारा, लीथियम व लेड जैसी जहरीली धातुओं के मिश्रण को भी सोखने की क्षमता रखता है।

पेड़ पौधों की अहमियत को वैसा तो कोविड काल ने ही लोगों को ठीक से समझा दिया था। खासकर शहरी जीवन बिताने वाले लोगों को तो कुछ ज्यादा ही। क्योंकि कोविडकाल के बाद पूरे देश में शहरी इलाकों में गमलों व इनमें पौधे लगाने का चलन पहले से कई गुना ज्यादा बढ़ गया है। पक्की फर्श वाले मकानों में रखे हुये पर्याप्त मात्रा में गमले में लगे पौधे बेशक एक घर के तापमान को तो नियंत्रित करने व ऑक्सीजन देने की क्षमता तो रखते ही हैं। यह कोविड काल की ही दहशत है जिसके चलते पूरे देश में प्लास्टिक, मिटटी व सीमेंट के गमलों तथा नर्सरीज में पौधों की बिक्री कोविड काल के बाद कई गुना अधिक हो चुकी है।

वृक्षों का बादलों से भी गहरा नाता है। आम तौर पर रेगिस्तानी क्षेत्रों में बारिश इसलिए नहीं होती या अत्यधिक कम होती है क्योंकि वहां पर्याप्त संख्या में वृक्ष नहीं होते। जबकि दुनिया में अनेक घने जंगलों के इलाके ऐसे भी हैं जहाँ घने जंगलों के कारण अत्यधिक वर्षा होती है। ऐसे घने जंगलों को वर्षावन भी कहा जाता है। गोया वृक्ष, बादल, बारिश हरियाली मानव जीवन और खुशहाली का आपस में एक दूसरे से सीधा नाता है। नदी नालों के कटाव को रोकने में भी वृक्ष अहम भूमिका अदा करते हैं। यानी बाढ़ रोकने में सहायक होते हैं। हमें अध्ययन करने से तो यहाँ तक पता चलता है कि समुद्री किनारों पर पाए जाने वाले मैंग्रोज के पेड़ व इन के घने जंगल सुनामी की गति को नियंत्रित करने तक का काम करते हैं। इतना ही नहीं बल्कि यह समुद्री क्षेत्र के विस्तार को भी रोकते हैं। जबकि इन पेड़ों की आधी जड़ें भी धरातल के ऊपर होती हैं।

बहरहाल, वृक्षारोपण को इस समय मानव जीवन के अस्तित्व से जोड़कर देखने की जरुरत है। किसी सरकार, शासन या प्रशासन की तरफ मुंह देखने के बजाये जनता को स्वयं इसे जनांदोलन के रूप में लेना होगा और अपनी आदतों में शामिल करना होगा। याद रहे कि सरकारें वृक्षारोपण का शोर कर सकती हैं, इसपर चलाये जाने वाले अभियान का प्रचार कर सकती हैं, इसके नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा सकता है। और तो और लगे लगाये दरख़्तों व जंगलों को कार्पोरेट्स के हित में कटवाने की भागीदार भी हो सकती हैं। विज्ञापनों व साक्षात्कार के माध्यम से इसके महत्व का बखान कर सकती हैं परन्तु चूँकि यह 'वोट बैंक ' से जुड़ा विषय नहीं इसलिये इसके प्रति उतनी गंभीरता नहीं दिखातीं जितनी कि जरूरत है।

लिहाजा आज देश के प्रत्येक नागरिक को चाहे वह बच्चा, बूढ़ा, जवान महिला कोई भी हो उसे वृक्षारोपण को अपनी आदतों में शामिल करना होगा। स्वयं उसकी देखभाल व निगरानी करनी होगी। मां के नाम का केवल एक पेड़ ही काफी नहीं बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को खासतौर पर वर्षाऋतु में जहाँ और जितने हो सकें अधिकतम वृक्ष लगाने होंगे। इसी अपने जीवन की दैनिक गतिविधियों में शामिल किये जाने की जरुरत है। शादी विवाह, मरना जीना, जन्मदिन मरणदिन विवाह अथवा जन्म या मृत्यु की सालगिरह बरसी प्रत्येक अवसर को यादगार बनाने हेतु हर इन अवसरों पर वृक्षारोपण करें। यदि धरती के बढ़ते तापमान के दौर में वृक्षारोपण के प्रति अब भी हम गंभीर व सक्रीय नहीं हुये तो और कब होंगे?

संपादकीय

खरीदार को सुकून

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर में घर खरीदने वालों को बड़ी राहत दी है। लैट का कब्जा नहीं पाने वालों को ईएमआई पेमेंट को लेकर बैंकों, वित्तीय संस्थानों या बिल्ड़रों द्वारा कोई दंड़ात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। न ही उनके खिलाफ चेक बाउंस का मामला चलेगा। सबसे बड़ी अदालत दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें खरीदारों की याचिकाओं को अन्य कानूनी विकल्पों की मदद लेने की बात कह कर खारिज कर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने केंद्र, बैंकों समेत अन्य को नोटिस भी जारी किया। पीठ ने सभी मामलों पर अंतरिम रोक लगाई जिसके तहत बैंकों/वित्तीय संस्थानों या बिल्ड़र/ड़ेवलपर की ओर से मकान खरीदारों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं की जाएगी। पहले भी अदालत ने खरीदारों के पक्ष में सख्त फैसले दिए हैं। जब संसद में कानून पास होने के बाद कुछ रिअल एस्टेट कंपनियों ने इस संशोधन को अदालत में चुनौती दी थी। दीवालिया कानून यानी इंसॉल्वेंसी एंड़ बैंकरप्सी में बदलाव कर खरीदार को ड़िफॉल्टर, ड़वलपर को उसकी रकम वापस देने संबंधी संशोधन किया गया था। खरीदारों का कहना है कि बैंक की तरफ से ऋण सीधा बिल्ड़र के खाते में जाता है। जो रिजर्व बैंक के दिशा-निदेशों का उल्लंघन है। देश में जिस तेजी से विकास हो रहा है। ड़ेवलपर और बिल्ड़र सरकारी महकमें से मिली-भगत कर ऊंची-ऊंची इमारतें बना रहे हैं। मध्यम वर्ग को सपने दिखा कर मोटी रकम वसूली होती है। पूरा पैसे चुकाने के बावजूद हजारों लोग तय वक्त पर घर न मिलने से परेशान होकर बिल्ड़रों के द तरों के चक्कर लगाते नजर आते हैं। विभिन्न कानूनी विकल्प होने के बावजूद उनकी सुनवाई नहीं होती। हालांकि यह फैसला खासकर एनसीआर के मकान खरीदारों के लिए है जबकि यह देश भर के नागरिकों के हित में लागू होना चाहिए। जनता की गाढ़ी कमाई के प्रति बैंकों- वित्तीय संस्थानों, बिल्ड़रों/डेव़लपरों को खुली छूट देने के प्रति सबसे पहले सरकार ही जिम्मेदार है। यह फैसला उन खरीदारों को राहत देने वाला तो है ही, जो अपने घर का सपना दिखा कर खरीदारों को उचित जवाब तक नहीं देते वहीं लोन देकर कर्जदारों को जंजाल में फंसाने वालों को भी सबक लेना होगा।

चिंतन-मनन

दोनों प्रकार का धन एक साथ नहीं मिल सकता

संसार में दो प्रकार का धन होता है भौतिक धन और दूसरा आध्यात्मिक धन। मनुष्य का स्वभाव है कि वह ज्यादा से ज्यादा धन कमाने की चाहत रखता है। कोई व्यक्ति सोना, चांदी, रुपए पैसे का अंबार लगाकर धनवान कहलाता है तो कोई भूखा, प्यासा रहकर भी धनवान कहलता है। वास्तव में धनवान दोनों हैं। एक भौतिक धन का धनी है तो दूसरा अध्यात्मिक धन का धनी है। शाछ्ा और पुराण कहते हैं कि दोनों धनों में से अध्यात्म रूपी धन ज्यादा श्रेष्ठ है क्योंकि इसे कोई छीन नहीं सकता। इसे कोई चुरा भी नहीं सकता है। जिसके पास अध्यात्म रूपी धन होता है वह नि ंत होता है। उसे किसी प्रकार की चिंता और भय नहीं रहता है। संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो एक साथ इन दोनों धनों का सुख प्राप्त कर सके।

अध्यात्म और भौतिक धन दोनों दो नाव के समान हैं। आप जानते हैं कि दो नाव की सवारी एक साथ नहीं की जा सकती, अगर ऐसा करेंगे तो डूबना तय है। मर्जी हमारी है कि हम अध्यात्मिक धन अर्जित कर-के ईश्वर का ऋण चुका दें और जीवन-मरण के चप्र को पार करके दु?ख से मुक्ति प्राप्त कर लें। दूसरा रास्ता यह है भौतिक धन अर्जित करके सांसारिक सुख का आनंद लें और बार-बार जीवन-मरण के चप्र में उलझकर पाप का फल प्राप्त करें।

भागवत् कहता है कि ईश्वर जिसे प्यार करता है उससे उसका सब कुछ छीन लेता है। सब कुछ छीन लेने का अर्थ है सांसारिक सुख छीन लेना। कबीर दास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, सूरदास, करमैती बाई इसके उदाहरण हैं। ईसा मसीह ने भी कहा है कि सूई के छिद्र से ऊंट भले ही पार कर जाए लेकिन एक अमीर आदमी स्वर्ग प्राप्त नहीं कर सकता। स्वर्ग नहीं मिलने का अर्थ है, ईश्वर की कृपा प्राप्त नहीं होना। इसका कारण यह है कि जब बहुत धन आ जाता है तो व्यक्ति धन संभालने और उसकी सुरक्षा को लेकर ही सदैव चिंतित रहता है। ईश्वर के लिए न तो उनके पास समय होता है और न भक्ति भावना। धन के अहंकार में व्यक्ति ईश्वरीय सत्ता को भी चुनौती देने लगता है। तीर्थस्थलों को पर्यटन स्थल मानकर उनका अपमान करता है। इसलिए ही कहा गया है कि अध्यात्मिक धन और सांसारिक धन एक साथ नहीं मिल सकता है।

माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर बंद होने से हजारों करोड़ का नुकसान

सनत जैन

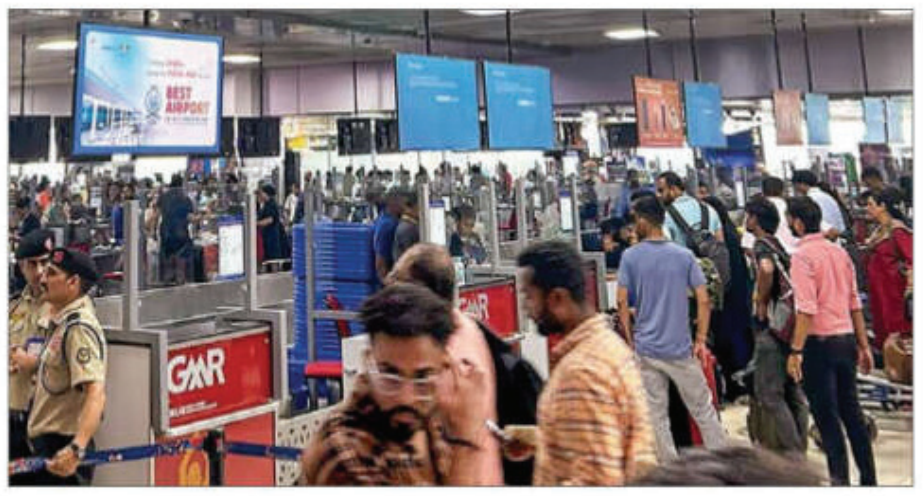

माइक्रोसॉ ट का सर्वर शुक्रवार को कुछ देर बंद रहा। पूरी दुनिया के देशों में अफरा-तफरी मच गई। 1 घंटे के अंदर ही माइक्रोसॉ ट की सिक्योरिटी कंपनी क्राउड स्ट्राइक को 73000 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। शेयर बाजार मैं कंपनी के शेयर में 8 फीसदी से अधिक की गिरावट आई। देखते ही देखते कंपनी के 73000 करोड़ रुपए शेयर बाजार में डूब गए। एयरपोर्ट, रेल, बैंक, शेयर बाजार में मची अफरा-तफरी के कारण बैंकों, शेयर बाजार, कारोबारी कंपनियों तथा अन्य कंपनियों को भी भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। यात्रियों को काफी कष्ट उठाना पड़ा। बैंक के ग्राहक भी कई घंटों तक परेशान होते रहे। सिक्योरिटी कंपनी क्राउड स्ट्राइक के 30000 से अधिक ग्राहक हैं। क्राउड स्ट्राइक कंपनी 30000 से अधिक कंपनियों को साइबर सुरक्षा उपलब्ध कराती थी। जैसे ही माइक्रोसॉ ट का सॉ टवेयर बंद हुआ। उसके बाद सारी दुनिया में हाहाकार मच गया था। यूरोपीय देशों में इसका सबसे ज्यादा असर हुआ। भारत में नुकसान हुआ लेकिन यह नुकसान यूरोपीय देशों की तुलना में कम था। क्योंकि यूरोपीय देशों की तरह भारत अभी पूरी तरह से ऑनलाइन नहीं हुआ है। इसलिए बहुत हद तक बचा रहा। यूरोपीय देशों में सब कुछ ऑनलाइन था, जिसके कारण यात्रियों, बैंक के ग्राहकों और शेयर बाजार के निवेशकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। क्राउड स्ट्राइक कंपनी और उससे जुड़ी हुई अन्य कंपनियों के यदि नुकसान को देखा जाए तो यह लाखों करोड़ों रुपए में पहुंच जाता है। यह आर्थिक नुकसान की बात हुई। 15 घंटे तक सारी दुनिया के देशों मे ऑनलाइन सर्विस के कारण ऑनलाइन सेवा नहीं दे पाए। उसके कारण उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। माइक्रोसॉ ट का डिजिटल और ऑनलाइन कारोबार में एकाधिकार है। अपरोक्ष रूप से हार्डवेयर पर भी माइक्रोसॉ ट का एकाधिकार है। माइक्रोसॉ ट के सॉ टवेयर चुनिंदा हार्डवेयर पर ही संचालित होते हैं। इस एकाधिकार के कारण और कोई अन्य वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने से, ऐसा लगा कि जैसे सारी दुनिया ठहर गई है। थोड़ी सी लापरवाही कितना बड़ा नुकसान कर सकती है, इसका सबसे बड़ा प्रमाण सर्वर क्रैश हो जाना है। जैसे-जैसे सारी दुनिया तकनीकी के सहारे आगे बढ़ रही है। सारे काम डिजिटल प्रोग्रामिंग से संचालित हो रहे हैं। यदि 1 घंटे के लिए इंटरनेट बंद हो जाए। जिस तरह से माइक्रोसॉ ट का सर्वर बंद हुआ है। माइक्रोसॉ ट की तकनीकी से जुड़े हुए कंपनियों के लाखों सर्वर एकाएक बंद हो गए। सेवाओं से जुड़े हुए लोगों को सेवा मिलना बंद हो गई। जिस तरह से अब ए-आई तकनीकी आ गई है। सारे काम सॉ टवेयर की प्रोग्रामिंग से संचालित हो रहे हैं। अब जगह-जगह रोबोट भी इंटरनेट और डिजिटल तकनीकी से जुड़कर काम कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में कहा जा सकता है। हमारे जीवन में जिस तरह से तकनीकी का हस्तक्षेप बढ़ रहा है। मानवीय चूक का अब कोई कारण नहीं है। अब जो भी चूक हो रही है। वह सॉ टवेयर, प्रोग्रामिंग, तकनीकी तथा संचार माध्यमों के कारण हो रही है। जिन पर कोई प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं है। तकनीकी अथवा संचार की गड़बड़ी से कभी भी कहीं पर भी कोई भी बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है। पिछले दो दशक में सुरक्षा, कारोबार, घर, व्यापारिक स्थलों के कामों में डिजिटल तकनीकी और संचार माध्यमों पर आश्रित होकर रह गए हैं। अब मोबाइल, कंप्यूटर, इंटरनेट के जरिए एक स्थान से सारी दुनिया में कंट्रोल कर रहे हैं। जब कंट्रोल ही नहीं कर पाएंगे, तब क्या स्थिति होगी। इसकी आसानी से कल्पना की जा सकती है। क्राउड स्ट्राइक साइबर सिक्योरिटी कंपनी जब अपनी ही रक्षा नहीं कर पाई। वह उससे जुड़ी हुई 30000 कंपनियों के सर्वर और सॉ टवेयर की क्या सुरक्षा कर पाएगी। इसे आसानी से समझा जा सकता है। माइक्रोसॉ ट ने सॉ टवेयर के क्षेत्र में एकाधिकार बना लिया है। यदि उसके प्रोग्राम कहीं क्रश होते हैं, तो इसका कितना बड़ा नुकसान सारी दुनिया को हो सकता है। इसका अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता है। शुक्रवार की एक घटना ने सारी दुनिया को एक तरह से चेतावनी दे दी है। तकनीकी के ऊपर आश्रित होकर मानवीय विकास एवं मानव क्षमता का सही उपयोग नहीं किया गया, तो कभी भी विषम परिस्थिति का सामना करना पड़ सकता है। भारत जैसे देश में जिस तरह से यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान, अधिकतम सेवायें ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरवर में रखा हुआ डाटा यदि हैक हो जाता है। साइबर ठग उसका दुरुपयोग कर ठगी करते हैं। पिछले वर्षों में भारत जैसे देश में हर साल सैकड़ों करोड़ रुपए की ठगी होने लगी है। तकनीकी कारणों से यदि डाटा तक पहुंच नहीं हो पाती है। डाटा हैक हो जाता है। डाटा को प्रोग्रामिंग के द्वारा बदल दिया जाता है। तो कितना बड़ा नुकसान हो सकता है, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। भारत जैसे देश के पास इंटरनेट के अलावा कोई विकल्प नहीं है। दुनिया के कई देशों ने इंटरनेट के साथ-साथ इंटरानेट पर भी काम करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपना संचार माध्यम विकसित किया है। जिस पर उनका स्वयं का कंट्रोल है। राष्ट्रीय स्तर पर कई देशों ने अलग व्यवस्था बना रखी है। जिन देशों के पास इंटरानेट आधारित संचार नेटवर्क है। उन्होंने डाटा को कई स्तर पर स्टोर करके रखा हुआ है। उन देशों के पास एक अच्छा विकल्प होने के कारण ज्यादा नुकसान नहीं होगा। दुनिया के वह देश जो केवल माइक्रोसॉ ट और इंटरनेट पर आधारित होकर रह गए हैं। वह कभी भी तकनीकी की इस दौड़ में डूब सकते हैं। लाखों करोड़ों रुपए का नुकसान कुछ ही घंटे में तकनीकी के कारण हो सकता है। जान-माल का नुकसान बड़े पैमाने पर हो सकता है। जिसकी कल्पना संभव नहीं है। माइक्रोसॉ ट के सर्वर में जो गड़बड़ी आई। प्रोग्रामिंग के जरिए मशीनों के द्वारा मशीनों को चलाने की जो नई तकनीकी विकसित हुई है। आगे चलकर उसके दुष्परिणाम बड़े भयानक हो सकते हैं। समय रहते भारत सहित दुनिया के सभी देशों को विकल्प के बारे में ध्यान देना होगा। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन सेवाओं को अलग-अलग तरीके से अलग-अलग प्रोग्रामिंग के जरिए नियंत्रण करने की व्यवस्था बनानी होगी। तकनीकी में एकाधिकार से भी बचना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो भगवान ही मालिक है।

वैश्विकी: बांग्लादेश में असंतोष की आग

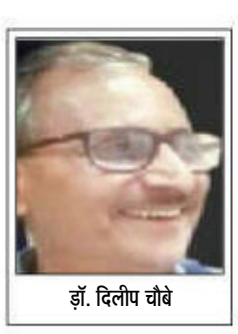

ड़ॉ. दिलीप चौबे

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर छात्रों का आंदोलन बेकाबू हो गया है। देश में अस्थिरता का संकट मंड़रा रहा है। हाल में प्रधानमंत्री शेख हसीना ने फिर से जनादेश हासिल किया लेकिन आम चुनाव में पराजित राजनीतिक तत्वों को बदला लेने का मौका मिल गया। चुनाव का बहिष्कार करने वाली विरोधी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और क र मुस्लिम संगठन जमायते इस्लामी पर्दे के पीछे असंतोष को हवा दे रहे हैं। इतना ही नहीं कूटनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि बांग्लादेश महाशक्तियों के शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा बन गया है। भारत के लिए बांग्लादेश का घटनाक्रम विशेष चिंता का विषय है। पड़ोसी देश म्यांमार में पहले से ही गृह-युद्ध और सैन्य संघर्ष के हालात हैं। अब इसी क्षेत्र में एक अन्य पड़ोसी देश ने भी अस्थिरता का संकट पैदा हो गया है। यह भारत के लिए विदेश नीति ही नहीं बल्कि आंतरिक सुरक्षा की समस्या भी पैदा करता है। पूर्वोत्तर भारत का मणिपुर राज्य काफी समय से अशांति से पीडिक्षत है। पड़ोस के अन्य राज्यों पर भी इसका असर पड़.रहा है। पूर्वोत्तर भारत में सामान्य स्थिति बनी रहे इसके लिए आवश्यक है कि म्यांमार और बांग्लादेश में भी शांति और स्थिरता कायम हो।

भारत कभी नहीं चाहेगा कि पड़ोसी देश में शेख हसीना की सरकार अस्थिर हो। यह भी संभव है कि जरूरत पड़ऩे पर भारत की ओर से बांग्लादेश में आवश्यक सहायता मुहैया कराई जाए। पिछले काफी समय से यह चर्चा है कि म्यांमार में अमेरिका और यूरोपीय देश ईसाई बहुल क्षेत्र में एक पृथक देश 'कुकी लैंड़' बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं। कुकी विद्रोहियों को हथियार और आर्थिक संसाधन मुहैया कराए जा रहे हैं। पि मी देशों की भारत से अपेक्षा थी कि वह म्यांमार की सैनिक सत्ता के खिलाफ सख्त रवैया अपनाए। लेकिन भारत ने अपने राजनीतिक हितों के मद्देनजर संतुलित नीति अपनाई। इस क्षेत्र में कुकी लैंड़ की स्थापना पूर्वोत्तर भारत के लिए भी समस्या का कारण भी बन सकती है। बांग्लादेश में भारत के रणनीतिक हित और भी अधिक प्रबल हैं। विशेषकर ऐसी स्थिति में जब भारत विरोधी बीएनपी और जमायते इस्लामी सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रही हैं। अमेरिका और पि मी देशों की भूमिका भी संदिग्ध है॥।

प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आम चुनाव के समय ही आरोप लगाया था कि अमेरिका और पि मी देश चुनाव में हस्तक्षेप कर रहे हैं। अब उनके आरोपों को और बल मिल गया है। ऊपरी तौर पर छात्रों का आंदोलन कुछ सीमा तक जायज माना जा सकता है। देश में आरक्षण व्यवस्था के तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में 56 फीसद सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है। सबसे अधिक 30 फीसद सीटें बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष में भाग लेने वाले लोगों के उत्तराधिकारियों के लिए आरक्षित है।

इसके अलावा महिलाओं और पिछड़े जिलों के लिए 10-10 फीसद और आदिवासियों के लिए 5 फीसद आरक्षण की व्यवस्था है। विकलांगों के लिए 1 फीसद आरक्षण है। आरक्षण व्यवस्था के खिलाफ 2018 में भी व्यापक छात्र आंदोलन हुआ था जिसके बाद यह व्यवस्था ठंडे.बस्ते में ड़ाल दी गई। पूरा विवाद पिछले महीने दोबारा उभरा जब उच्च न्यायालय ने आरक्षण की व्यवस्था फिर से बहाल कर दी। शेख हसीना ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा था कि मुक्ति संघर्ष के योद्धाओं के उत्तराधिकारियों को आरक्षण दिए जाने में क्या आपत्ति है। उन्होंने विरोधियों पर कटाक्ष करते हुएकहा कि 'क्या पाकिस्तान का साथ देने वाले रजाकारों के उत्तराधिकारियों को आरक्षण मिलना चाहिए।'

यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि नई पीढ़स्री बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष का अपमान कर रही है। शेख हसीना सरकार के कामकाज की आलोचना की जा सकती है लेकिन मुक्ति संघर्ष को भूलाना और रजाकारों का महिमामंड़न कदापि उचित नहीं। इससे यह भी पता चलता है कि बांग्लादेश में इस्लामीकरण का संकट बरकरार है जिसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। भारत ने वर्ष 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष में निर्णायक भूमिका निभाई थी। आधी सदी बाद मुक्ति संघर्ष की विरासत को बचाने के लिए भारत की ओर सबकी नजर होगी।

'अगले 4-5 साल में 70 लाख बेरोजगारों की फौज तैयार होगी':भाटी बोले-रोजगार के अवसर ढूंढें; बीएड,

द पुलिस पोस्ट

बाड़मेर। राजस्थान विधानसभा में बाड़मेर के शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा तथा मांग पर अपनी बात रखते हुए कहा कि प्रदेश में बी.एड. और बीएसटीसी कॉलेज डोनेशन के नाम भारी पैसा वसूला जा रहा है, इसे रोका जाए। बालिका शिक्षा की बात सब करते हैं। हमारा सुझाव है कि बालिका शिक्षा फ्री की जाए। भाटी ने कहा- आने वाले 4-5 सालों में 70 लाख बेरोजगार युवाओं की फौज तैयार होने वाली इनके लिए संसाधन जुटाने चाहिए। शिव कॉलेज का नाम बाबा गरीबनाथ जी के नाम रखा जाए। आजादी के 75 साल बाद शिव को एक कॉलेज मिला है। उसमें स्टाफ के नाम पर सिर्फ एक व्यक्ति है। यहीं हालात पूरे प्रदेश के है। भाटी ने छात्र संघ चुनाव करवाने की बात कही। इस पर उपमुख्यमंत्री मुस्कारने लग गए। विधानसभा में शिव विधायक ने सरकार के सामने अपने मुद्दे रखें। अपने भाषण की शुरूआत करते हुए कहा की वह खुद छात्र राजनीति के माध्यम से सदन में पहुंचे है। आज के युवा बड़ी उम्मीद से सदन की ओर देख रहे है। भाटी ने कहा की राज्य में समस्त जितने भी विश्वविद्यालय हैं वहां स्टाफ की बहुत कमी है, जिसमें टीचिंग और नॉन-टीचिंग स्टाफ दोनों ही शामिल है, जिस कारण कहीं भी सही तरीके से कक्षाएं नहीं लग पा रही है। भाटी ने सरकार से मांग की है कि रिक्त पद

जल्दी से जल्दी भरा जाना चाहिए। जिससे युवाओं की शिक्षा सुचारु रूप से चल सके।

शिव विधायक ने कहा- एमपीईटी एग्जाम में भारी अनियमितता, जांच होनी चाहिए

भाटी ने कहा की हाल ही में जोधपुर यूनिवर्सिटी में एमपीईटी परीक्षा हुई थी जिसमें भारी अनियमितताएं हुई थीं। ऐसे में सरकार को एक बार उसकी सही तरीके से जांच होनी चाहिए। भाटी ने अपने क्षेत्र की बात करते हुए कहा कि वह सीमांत क्षेत्र से आते है और वहां आजादी के 75 साल बाद शिव और गड़रा क्षेत्र में एक-एक महाविद्यालय दिया गया परंतु वहां स्टाफ के नाम पर सिर्फ.एक-एक व्यक्ति ही नियुक्त है। भाटी ने कहा की इसके बारे में आए दिन अखबारों में छपता भी रहता परंतु इस पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई।

भाटी ने कहा- छात्र राजनीतिक से आने वाले विधायक के यहां कॉलेज

भाटी ने कहा कि उन्हें बड़ा दुख है की उन जैसे छात्र राजनीति से आने वाले विधायक के यहाँ ही महाविद्यालयों की यह स्थिति है की एक व्यक्ति पर पूरे महाविद्यालय का भार है, सरकार को जल्द ही इन महाविद्यालयों में रिक्त पदों को भरना चाहिए और सीमांत क्षेत्र के छात्रों को राहत प्रदान करनी चाहिए। भाटी ने सरकार से माँग की उनके क्षेत्र में विज्ञान संकाय भी खोले जाने चाहिए। भाटी ने कहा कि सरकार को उनके क्षेत्र के युवाओं का स्किल डेवलपमेंट करने की अति आवश्यकता है। भाटी ने कहा कि इसके लिए उनके क्षेत्र में तमाम तरह के पॉलीटेक्निक कॉलेज, स्किल डेवलपमेंट सेंटर एवं आईआईटी खोले जाने की आवश्यकता और सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए ताकि वाहन के युवा उचित स्किल प्राप्त कर अपने पैरों पर मजबूती से खड़े हो सके।

भाटी ने शिव कॉलेज का नाम बाबा गरीबनाथ जी के नाम पर रखा जाए

भाटी ने सदन में खेलों की बात करते हुए कहा कि खेलों के मामले में उनके क्षेत्र के युवा एवं तमाम राज्य के युवा पिछड़ते जा रहे है। भाटी ने कहा कि ऐसे में जरूरत है की उनके क्षेत्र के कॉलेज में एक इंडोर स्टेडियम दिया जाये एवं ई-लाइब्रेरी भी खोली जाये ताकि वहां के युवाओं को पढ़ायी के लिए किताबें आसानी से उपलब्ध हो सके। भाटी ने कहा कि शिव क्षेत्र बाबा गरीबनाथ जी की धरती है और ऐसे में वहां मौजूद महाविद्यालय का नाम बाबा गरीबनाथ जी के नाम पे रखा जाना चाहिए। विधायक बोले- बीएड और बीएसटीसी कॉलेज डोनेशन के नाम भारी पैसा वसूला जा रहा है, इसे रोकने की मांग की भाटी ने यूनिवर्सिटी में मौजूद वाइस-चांसलर की बात करते हुए कहा कि यह एक एकडेमिक पद है और सरकार को यहां शिक्षाविद नियुक्त करने चाहिएं और ऐसे राजनीतिक लोगों को नहीं। बी.एड. एवं बीएसटीसी कॉलेजों की बात करते हुए कहा की ऐसे तमाम कॉलेज में डोनेशन के नाम पर भारी पैसा वसूला जा रहा है जिस पर रोक लगनी चाहिए।

भाटी ने कहा कि उनका क्षेत्र पेट्रो केमिकल हब है ऐसे में पेट्रो केमिकल से जुड़े कोर्स भी उनके क्षेत्र में लाए जायें और उसके साथ ही उनके क्षेत्र को कृषि एवं पशु चिकित्सा कॉलेज खोलने की जरूरत है।

भाटी ने बालिका शिक्षा को फ्री करने की मांग की

भाटी ने सदन में कहा की हम सब हर समय बालिका शिक्षा की बात करते हैं। ऐसे में भाटी ने सरकार को सुझाव दिया की सरकार द्वारा बालिका शिक्षा को मुफ़्त किया जाना चाहिए। अगर ऐसा सरकार करती है तो यह एक ऐतिहासिक कदम होगा। भाटी ने कहा कि ऐसा सिर्फ.कहा जाता है केजी से लेकर पीजी तक सरकार मुफ़्त शिक्षा देगी लेकिन यह कहीं भी नहीं हो रहा है। भाटी ने सरकार से मांग की है कि आज का समय रोबोटिक्स, डेटा एनालिटिक्स और एआई का है परंतु अभी तक हम सब दीक्षा के मामले में पुराने ढर्रे पर ही चल रहे है ऐसे में सरकार को इस पर विचार करना चाहिए।

आने वाले 5 सालों में 70 लाख बेरोजगारों की फौज तैयार हो रही है

भाटी ने कहा के आने वाले 4-5 साल में 70 लाख बेरोजगारों की फौज तैयार हो जाएगी। ऐसे में हमे अभी से उसके लिए तैयार रहना चाहिए और रोजगार के नए अवसर युवाओं के लिए ढूंढने चाहिए एवं उसके लिए उनको उचित शिक्षा देनी चाहिए। समस्याएं बहुत सारी है लेकिन उन्होंने मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री में विश्वास जताते हुए कहा की उन्हें पूरा भरोसा है की वह उनके सुझावों पर काम करेंगे।

छात्रसंघ चुनाव करवाने की भलावण दी, इस पर उपमुख्यमंत्री मुस्कराने लगे

भाटी ने अपनी भाषण के अंत में कहा कि उपमुख्यमंत्री की और देख कर मुस्कुराते हुए उनसे आग्रह किया की जल्द छात्रसंघ चुनाव करवाने भलावण है, चुनाव जरूर करावें। इस पर उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा भी मुस्कुरा दिए।

केमिकल की दुकान में आग, मकान में फंसा परिवार:पड़ोसियों ने रेस्क्यू किया, फायर कर्मियों ने आग पर पाया काबू

द पुलिस पोस्ट

कोटा। कोटा के छावनी इलाके में शनिवार देर रात करीब एक केमिकल की दुकान में आग लग गई। जहां आग लगी, वहीं ऊपर लोग रहते भी हैं। आग लगने से ऊपर पति पत्नी और एक बच्चा फंस गए थे। दमकलकर्मियों और पड़ोसियों ने परिवार को रेस्क्यू कर लिया गया था। अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि शनिवार देर रात करीब साढ़े बारह बजे छावनी मेन रोड स्थित पुष्पा केमिकल की दुकान में आग लगने की सूचना मिली थी।

दुकान के ऊपर बने थे मकान

यहां नीचे दुकानें हैं और ऊपर मकान बने हुए थे। जिसमें लोग रहते है। आग लगने की सूचना पर दो दमकलों को मौके पर रवाना किया गया। दमकल मौके पर पहुंची तो सामने आया कि आग बड़ी है। इस पर दो और दमकलें मौके पर लेकर खुद रवाना हुआ। राकेश व्यास के अनुसार, मौके पर पहुंचकर आग बुझाने के प्रयास शुरू किए

गए। चार फायर टेंडर से आग पर काबू पाना शुरू किया। मौके पर ऊपर मकान में परिवार के फंसने की भी सूचना थी। हालांकि दमकल पहुंचने से पहले ही पड़ोसियों ने ही रेस्क्यू कर लिया था और परिवार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया था। दमकलों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी।

पड़ोसी ने निकाला परिवार को

जहां आग लगी, उसी से सटा हुआ एक मकान राजेन्द्र सिंह का है। राजेन्द्र सिंह पेशे से फोटोग्राफर है। राजेन्द्र सिंह ने बताया कि जब आग लगी, वह साइट पर गए हुए थे। धुआं देख उनकी पत्नी ने उन्हें कॉल कर जानकारी दी। जिसके बाद वह सीधा घर पहुंचे। यहां आए तो देखा कि उनके पड़ोसी सौरभ जो कि केमिकल की दुकान के ऊपर रहते हैं, वह, उनकी पत्नी औ डेढ़ साल का बेटा अंदर ही थे। हालांकि, कुछ लोगों ने पहले फ्लोर पर कांच तोड़ने की कोशिश की। लेकिन उनका रेस्क्यू नहीं कर सके। राजेन्द्र ने बताया कि वह अपनी छत से रेलिंग की मदद से बालकनी में पहुंचे और कांच तोड़कर सौरभ, उनकी पत्नी अनीता और बच्चे को अपने घर लेकर आए।

फोन-पे कंपनी से ही 4 करोड़ की ठगी:कस्टमर सर्विस के नाम पर जुड़े थे दो युवक; लोगों के पैसे खुद के खातों में ट्रांसफर किए

द पुलिस पोस्ट

जयपुर। फोन-पे पेमेंट ऐप के साथ ही दो युवकों ने 4 करोड़ रुपए की ठगी कर दी। युवक कस्टमर सर्विस के नाम पर कंपनी से जुडे. थे। पुलिस ने आरोपियों से 4 लाख नकदी, 70 डेबिट और क्रेडिट कार्ड, 6 मोबाइल बरामद किए हैं। मामला जयपुर के साइबर थाने का है। जांच अधिकारी श्रवण कुमार ने बताया- 27 जून को थाने में फोन-पे की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया था। शिकायत में बताया- उनके साथ छह महीने में 964 कार्ड का उपयोग कर 3,97,28,561 रुपए की ठगी की गई है। ये ठगी क्रेडिट और डेबिट कार्ड सर्विस प्रोवाइडर पे-बैक फैसिलिटी का दुरुपयोग करके की गई। इसमें कस्टमर के रुपए व्यापारी के खाते में ट्रांसफर नहीं होते हैं, जिसे फोन-पे अपने खाते से चुकाता है। ठगी के लिए 698 पे-बैक की रिपोर्ट पेंडिंग चल रही है। उसके बाद जब फोन-पे को अपने साथ ठगी का एहसास हुआ तो उन्होंने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। इस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लालसोट के

श्रीरामपुरा गांव निवासी मनराज मीणा (24) और मेहंदीपुर बालाजी सिकराय स्थित गांव नाहरखोरा निवासी लेखराज सेहरा (23) को गिरफ्तार किया है। दोनों ने फोन-पे से जुड़ते वक्त फर्जी डॉक्युमेंट का इस्तेमाल किया।

बैंक से संपर्क कर खाते में पैसे जमा करवाते और निकाल लेते

दोनों आरोपी जो फोन-पे की पोस मशीन पर ट्रांजैक्शन फेल हो जाते थे, ऐसे लोगों की मदद करते थे। जब भी किसी फोन-पे ग्राहक की शिकायत आती कि उसके खाते से पैसे कट गए, लेकिन पेमेंट व्यापारी के खाते में नहीं गया। तब दोनों ठग क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड सर्विस प्रोवाइडर करने वाले बैंक से संपर्क करते थे। शिकायत के आधार पर बैंक आरोपियों से जुड़े फोन-पे के खाते में पैसा जमा कर देता था। ये लोग शिकायत करने वाले (पेमेंट करने वाला या रिसीव करने वाला) को पैसे नहीं देते थे और खुद निकाल लेते थे। शिकायत करने वाले को आश्वासन देते रहते थे। फोन-पे बिजनेस को चलाने के लिए दोनों अपने बिजनेस अकाउंट से पैसे शिकायत करने वाले को ट्रांसफर कर देते थे। क्योंकि जब भी बैंक से पैसा आएगा वो शिकायतकर्ता से एडजस्ट कर लेगा। जब फोन-पे को इसका पता चला तो दोनों आरोपियों ने काम करना बंद कर दिया।

फर्जी क्रेडिट कार्ड से भी ट्रांजैक्शन किए

कंपनी ने आरोपियों को भी पोस मशीन दे रखी थी। मशीन के जरिए फजीर्वाड़ा करने के लिए आरोपियों ने कुछ फर्जी क्रेडिट कार्ड भी बनवा रखे थे। इनके जरिए भी पोस मशीन से ट्रांजैक्शन कर खाते से रुपए निकाल लेते थे।

लोकेशन ट्रेस कर पुलिस ने किया गिरफ्तार

एडिशनल पुलिस कमिश्नर कैलाश बिश्नोई ने बताया- शुक्रवार रात को दोनों आरोपियों की लोकेशन मालवीय नगर के रामनगर इलाके में मिली थी। शिकायत के आधार पर आरोपियों के पर्सनल नंबरों की जानकारी पुलिस को मिल गई थी। इसके आधार पर लोकेशन ट्रेस कर उनकी गिरफ्तारी की गई। वर्तमान में मनराज जगतपुरा में और लेखराज श्याम विहार कॉलोनी मालवीय नगर में रहता था।

24 घंटे में खत्म हो गया परिवार खेत में काम करते समय बिगड़ी उपसरपंच की तबीयत, मौत; सदमे से बेटे-पत्नी ने भी तोड़ा दम

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा में शनिवार को तबीयत बिगड़ने से उपसरपंच की मौत हो गई। इसके 24 घंटे के अंदर तबीयत खराब होने से पहले पत्नी और फिर बेटे ने दम तोड़ दिया। कुछ घंटों के अंतराल में पूरा परिवार खत्म हो गया। पुलिस और डॉक्टर संदिग्ध हालत में मौत मान रहे हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद सही कारण सामने आएगा। मामला जिले के कोटड़ी उपखंड के बड़लियास कस्बे का है। बड़लियास थाना इंचार्ज सिद्धार्थ प्रजापत ने बताया- बड़लियास कस्बे में बड़ा मंदिर के पास सोनियों की गली में बड़लियास ग्राम पंचायत के उपसरपंच सत्यनारायण सोनी (53) की शनिवार को मौत हो गई थी। सत्यनारायण का छोटा भाई सुरेश उन्हीं के साथ रहता है। सुरेश के पत्नी और बच्चे दूसरे घर में रहते थे। सुरेश ने पुलिस को बताया कि शनिवार सुबह सत्यनारायण खेत पर गए थे। वे मक्का की बुवाई कर रहे थे। सुबह करीब 7:30 बजे अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें बड़लियास सीएचसी लेकर गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सुबह 8:30 बजे जब सत्यनारायण की मौत की खबर घर पहुंची तो पत्नी ममता (50) और बेटे आशुतोष सोनी (19) की तबीयत बिगड़ गई। दोनों को बड़लियास सीएचसी लेकर गए। सुबह 10 बजे उन्हें भीलवाड़ा शहर के महात्मा गांधी हॉस्पिटल रेफर कर दिया। रविवार सुबह करीब 8 बजे कुछ देर के अंतराल में ममता और आशुतोष ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस बीच, शनिवार दोपहर 2 बजे सत्यनारायण का पोस्टमॉर्टम कर शव परिजन को सौंप दिया। शाम करीब 4 बजे सत्यनारायण का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस दौरान पत्नी-बेटा हॉस्पिटल में थे। रविवार दोपहर 2 बजे ममता और आशुतोष का अंतिम संस्कार किया गया।

सदमे से बिगड़ी तबीयत

सत्यनारायण के भतीजे सुनील सोनी ने बड़लियास पुलिस को रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में उसने बताया- ताऊ सत्यनारायण सोनी की मौत से उनकी पत्नी ममता और बेटे आशुतोष को गहरा सदमा लगा। इसके बाद दोनों की तबीयत बिगड़ गई। इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस जांच कर रही है। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस का कहना है

कि तीनों की मौत सामान्य नहीं हो सकती। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति साफ हो पाएगी। सूत्रों के अनुसार कुछ लोग इसे सामूहिक आत्महत्या का मामला बता रहे हैं। आशुतोष ने इसी साल 12वीं क्लास पास की थी। सत्यनारायण किसान होने के साथ-साथ गेहूं-चना व्यापारी थे। वे बीते पंचायत चुनाव में बड़लियास ग्राम पंचायत में उपसरपंच चुने गए थे।

लव मैरिज के दो महीने बाद सुसाइड किया:भिवानी के युवक ने टपूकड़ा में जहर खाया, अलवर में इलाज के दौरान मौत

द पुलिस पोस्ट

अलवर। अलवर जिला अस्पताल में भिवानी के सिपर गांव के 19 साल के युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। जिसने 19 जुलाई को टपूकड़ा में किराए के मकान में जहर खा लिया था। जिसने 2 महीने पहले ही लव मैरिज की थी। अभी मौत के कारणों का पता नहीं चला है। खुश्खेड़ा थान के अरकहकमुद्दीन ने बताया कि रवि पुत्र चरण निवासी सिपर भिवानी ने 19 जुलाई को जहरीला पदार्थ खा लिया था। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। युवक अपनी पत्नी के साथ टपूकड़ा में रहता था और खुश्खेड़ा में फैक्ट्री में काम करता था। मृतक युवक ने दो महीने पहले ही लव मैरिज की थी। अब मौत के कारणों का पता नहीं चला है।

मृतक के परिजन अस्पताल में पहुंचे हुए थे। जिनका रो-रो कर बुरा हाल है। परिजनों ने भी मौत का कारण नहीं बताया। अब पुलिस रिपोर्ट के अनुसार आगे कार्रवाई करेगी।

गुरु पूर्णिमा पर दी वैदिक रीति से शिष्यों को गुरु दीक्षा

द पुलिस पोस्ट

हिंडौन सिटी। जाट की सराय स्थित प्राचीन कल्याण रायजी मंदिर में रविवार को गुरू पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित गणेश दत्त शास्त्री ने गुरुकुल पद्धति से पांच शिष्यों को यज्ञों पवित्र संस्कार के साथ गुरु दीक्षा प्रदान की। दीक्षा के बाद सभी शिष्यों ने गुरू आश्रम संचालन के लिए भिक्षा मांगी। पंडित गणेश दत्त शास्त्री ने भिक्षा का महत्व बताते हुए शिष्यों को ब्रह्मचर्य का पालन करने, लहसुन- प्याज का सेवन नहीं करने, जमीन पर विश्राम करने, पेड़ पर नही चढ़ने, कुए-पोखर को नहीं लांघने, सूर्योदय से पूर्व जागने और दिन में नहीं सोने की सीख दी। इस मौके पर बड़ी संख्या में उपस्थित धर्म प्रेमियों ने मंदिर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया और विधि विधान से गुरू पूजन किया। इसी प्रकार झारेड़ा रोड स्थित पंडित चौखे मैरिज गार्डन में गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष बासुदेव शर्मा ने बताया कि इस दौरान कई धार्मिक कार्यक्रम हुए।

निःशुल्क मेडिकल स्वास्थ्य परामर्श शिविर का लोगों ने उठाया लाभ

125 मरीजो ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया आगे भी करते रहेगे शिविर

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज माली समाज धर्मशाला मे रविवार को स्टर्लिंग हॉस्पिटल अहमदाबाद व महावीर इंटरनेशनल शिवगंज सुमेरपुर के संयुक्त तत्वाधान में शिवगंज के गोकुल वाडी स्थित माली समाज धर्मशाला में निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श जांच शिविर का आयोजन किया गया महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष माधव दत्त दवे ने बताया कि निशुल्क कैंप जर्नल अध्यक्ष अनिल जैन के अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसमें हार्ड व ऑथोर्पेडिक के कुल 125 मरीजों को मरीज को शिविर का लाभ मिला डॉ हिमांशु माथुर डॉ रशेष पोथीवाला एंड टीम ने मरीज के स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न ज्वाइंट रिप्लेसमेंट कोडियोलोजी निशुल्क कैंप माली समाज धर्मशाला में सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ होकर 3:00 बजे तक चला जिसमें लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवा कर निशुल्क स्वास्थ्य सेवा का लाभ उठाया इंटरनेशनल के कोषाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल व उ अ पंकज जैन ने कैंप में पधारने वाले सभी लोगों का आभार प्रकट किया माली समाज धर्मशाला अध्यक्ष शंकर लाल सुंदेशा ने व नवयुक मंडल के अध्यक्ष नरेंद्र परिहार ने स्टरलिंग हॉस्पिटल व महावीर इंटरनेशनल का आभार प्रकटकिया कैंप में लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न प्रकार की जांच से मरीज को अवगत करवाया कैंप को सफल बनाने में का मुकेश परमार नरेश सांखला दीपक गोयल योगेश पटवा राजेश जैन भूपेंद्र सिंह महेश तक मुकेश माली संगीता जैन जसमीत कौर मोहित अग्रवाल गोविंद वैष्णव

अभिभाषक संघ ने उपखंड की मांग का सौंपा ज्ञापन

द पुलिस पोस्ट

बिजयनगर ब्यावर। स्थानीय अभिभाषक संघ बिजयनगर ने मसूदा विधायक वीरेंद्रसिंह कानावत को बिजयनगर को उपखंड बनाने को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अभिभाषक संघ ने मांग रखी कि बिजयनगर में उपखण्ड कार्यालय उपखंड ओर अपर जिला व सेशन न्यायालय खोला जाए ताकि बिजयनगर क्षैत्र वासियों को मसूदा आने-जाने से निजात मिल सके। विजयनगर अभिभाषक संघ अध्यक्ष मुकेश प्रजापत, धीरज मालवीया , योगेश शर्मा,युगल किशोर मालवीय,धीरज मालवीय,यदुपति त्रिपाठी ,दाउद कुरैशी,दिनेश रांका, दिनेश टांक , अशीष त्रिपाठी सहित अधिवक्ता उपस्थित रहे।

कब तक जनता की तकलीफों को नजरअंदाज करते रहेंगे हुक्मरान..?

लोकतंत्र का तकाजा है कि जनता अपने जनप्रतिनिधि का चयन अपने वोट के माध्यम से करती है

वह चुनाव के दौरान उस जनप्रतिनिधि का चयन करती है, जिससे अधिक उम्मीद की संभावना होती है। जनता को यह उम्मीद रहती है कि उसने जिस जनप्रतिनिधि का चयन किया है

वह हर कदम पर उसके लिए खरा साबित होगा। लेकिन वही जनप्रतिनिधि यह जानते हुए कि उसकी जो कार्यशैली है

वह जनता की उन उम्मीदों के लिहाज से उचित नही है। बावजूद उसके वह जनता की परेशानियों को अनदेखा करता रहे। शासन के साथ प्रशासन भी हाथ पर हाथ धर कर बैठा रहे तो बताइए वह आम नागरिक अपनी फरियाद किसे करें।

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज के जिला अस्पताल में जो कुछ घटित हो रहा है वह यहाँ उपचार के लिए आने वाले मरीजों के लिए किसी वेदना से कम नही है। ऐसा नही कि मरीजों को जिन दिक्कतों से रोजाना दो-चार होना पड़ रहा है उसकी जानकारी हुक्मरानों को नही है। बावजूद हालातों को सुधारने की दिशा में केवल ओर केवल आश्वासनों का पुलिंदा थमा कर कबूतर की तरह आँख बंद कर यह सोच लेना कि आँख बंद करने से सामने जो बिल्ली खड़ी है वह उस पर झपट्टा नही मारेगी किसी भी मायने में उचित नही कहा जा सकता। क्योंकि बिल्ली की फितरत तो झपट्टा मरना ही है, ओर कबूतर की तरह आँख बंद करने के बजाय यह सोचना ज्यादा बेहतर है कि बचाव कैसे किया जाए यानि हालात को कैसे सुधारा जाए वैसे देखा जाए तो इस जिला अस्पताल में सरकार की ओर से वे तमाम सुविधाएं उपलब्ध है जो एक जिला अस्पताल में होनी चाहिए। इन सुविधाओ की आवश्यकता यहाँ उपचार के लिए आने वाले उन लोगों को अधिक रहती है जो गरीब और जरूरतमंद तबके के है। जिनके लिए वे जितना भी कमाते है उसमें अपने घर परिवार का गुजारा मुश्किल से हो पाता है। इस प्रकार के लोगों को सरकारी अस्पताल में उपचार करवाने आने पर दो-पांच हजार खर्च करने पड़ जाए तो सरकार से किसी बात की उम्मीद करना भी बेकार साबित हो जाता है कहने को तो इस अस्पताल में सभी प्रकार की जांचे निःशुल्क होती है, सोनोग्राफी की भी सुविधा है। जब से नई सरकार बनी है उससे पहले से डायलेसिस मशीन भी उपलब्ध करवाई हुई है,मगर जो लाभ सभी मरीजों को मिलना चाहिए वह नही मिल रहा है। विशेषकर महिला मरीजों के मामले में जब तक जेब मे तीन चार हजार नही हो इलाज संभव ही नही है। इसकी वजह यह है कि महिला विशेषकर प्रसूता जब अस्पताल जांच के लिए पहुँचती है तो पर्ची पर सबसे पहले तो बाहर की निजी लेब से कई तरह की जांच, जिसमे

अधिकतर वे जांच होती है जो अस्पताल में निःशुल्क होने वाली 56 या 58 तरह की जांच से अलग होती है। अब ये वे जांच होती है जो अति आवश्यक भी नही होती। लेकिन चिकित्सक मरीज के दिलो दिमाग मे इस कदर भय बैठा देते या देती है कि यदि ये जांच नही हुई तो इलाज संभव ही नही है। साथ ही अस्पताल में सोनोग्राफी की सुविधा होने के बावजूद बाहर से किसी एक खास सोनोग्राफी सेंटर से जांच करवा कर लाने का बोला जा रहा है। अब जो व्यक्ति अस्पताल आ रहा है अव्वल तो उसके पास इतना पैसा होता तो वह सरकारी अस्पताल आने के बजाय पहले ही निजी अस्पताल ही नही चला जाता। वैसे जिला अस्पताल के कक्ष नंबर 16 में सोनोग्राफी मशीन लगी हुई है। वह भी एक नही दो मशीन है। इसमें एक कलर डॉप्लर भी है। ये मशीन भी वैसी ही है जैसी बाहर निजी लेब में लगी हुई है। जैसी रिपोर्ट वहां आती है वैसी ही यहाँ भी आ सकती है। मगर मरीजो को बाहर से सोनोग्राफी करवाकर लाने का कहा जाता है। जिसके लिए मरीज को 1200 से 3500 रुपए तक चुकाने पड़ते है। अस्पताल में एक महिला चिकित्सक तो ऐसी है जिन्हें अस्पताल में होने वाली जांचों पर भरोसा ही नही है। उनके लिए सही डाइग्नोसिस निजी लेब से करवाई गई जांच और सोनोग्राफी से ही संभव है। भूलवश यदि कोई जानकार है और वह अस्पताल में लगी सोनोग्राफी मशीन से जांच करवा लें तो उस महिला चिकित्सक के लिए मरीज की जांच करने का मजा ही किरकिरा हो जाता है। जिला अस्पताल में चल रहे कमीशन के इस खेल की वैसे तो निरंतर शिकायतें मिल रही है। इस बीच यह सब आज मेरी आँखों के सामने आया तो लगा कि वास्तव में यहाँ मरीजों का शोषण हो रहा है। जिसे शासन और प्रशासन के सामने नही लाया गया तो यह मेरे इस पेशे जिसके साथ जीवन के 35 साल गुजार दिए है उसके साथ अन्याय होगा। यह बात शनिवार की दोपहर करीब एक से डेढ़ बजे के बीच की होगी जब में अपनी बेटी के साथ अस्पताल गया हुआ था। अपना कार्य सम्पन होने के बाद जैसे ही बाहर आया बारिश शुरू हो गई। इस वजह से में वही खड़ा बारिश के बंद होने का इंतजार कर ही रहा था तभी मेरे ठीक पीछे खड़ी एक महिला फोन पर शायद अपने पति से बात करती सुनाई दी कि डॉक्टर साहिबा ने बाहर से सोनोग्राफी करवाने का बोला है। इस दौरान जिससे वह बात कर रही थी उसे यह कहती सुनाई दी कि मैने उनसे कहा कि अस्पताल में सोनोग्राफी की सुविधा है। इस पर महिला चिकित्सक ने पहले तो मना किया लेकिन बाद में कहा कि जो तुम्हारे तकलीफ है उसके लिए बाहर से ही सोनोग्राफी करवानी होगी। मैने जब यह सुना तो मैने उस महिला से अपना परिचय देते हुए माजरा पूछा तो उसने पूरी जानकारी दी। इस पर मैने उन्हें बताया कि अस्पताल में सोनोग्राफी की कलर डॉप्लर मशीन लगी हुई है। जिसमे हर तरह की जांच संभव है। इस महिला ने बताया कि वह पेट दर्द की शिकायत लेकर महिला चिकित्सक के पास उपचार के लिए आई है। लेकिन उसके पास इतना पैसा नही है कि वह बाहर से सोनोग्राफी करवा सके। इसी दौरान एक ओर व्यक्ति जो शायद पेशे से मजदूर दिख रहा था वह इन बातों को सुन रहा था। उसने मुझे निजी सोनोग्राफी सेंटर की रिपोर्ट दिखाते हुए कहा कि वह भी अपनी पत्नी जो प्रेग्नेंट है उसकी बाहर से सोनोग्राफी करवाकर लेकर आया है। जिसके उसने 1200 रुपए चुकाए है। इन दोनों को कार्यवाहक पीएमओ के पास लेकर गया ओर इन्हें सारी जानकारी देते हुए गरीब लोगों के साथ हो रहे इस शोषण पर अपना विरोध दर्ज करवाते हुए कार्रवाई का आग्रह किया तो वे भी बेबस नजर आए। हालांकि यह बात सुनने के बाद उन्होंने इतना जरूर कहा कि दो दिन के भीतर अस्पताल में सोनोग्राफी से संबंधित पोस्टर लगा दिए जाएंगे। बाद में उस गरीब महिला की अन्य चिकित्सक से जांच करवा सोमवार को अस्पताल में ही सोनोग्राफी करवाने का भरोसा दिलवाते हुए घर के लिए रवाना किया। बहरहाल,इस घटनाक्रम के बीच मेरी ओर से किसी गरीब के लिए आवाज उठाना अस्पताल में दिन भर इधर उधर घूमते हुए अपना टाइम पास करने और अस्पताल में राजनीति करने के साथ पत्रकारों को अस्पताल में आने से रोकने की पैरवी करने वाले एकाध चिकित्सक को नागवार भी गुजर गया। खैर, अब चुनाव चले गए, सरकार ने भी अपना कामकाज संभाल लिया। प्रदेश का बजट भी आ गया। अब क्षेत्र के जनप्रतिनिधि जो राज्य के मंत्रिमंडल में भी शामिल है और उनसे जनता को उम्मीदें भी है। उन्हें केवल बैठकों व कार्यक्रमो में भाग लेने के बजाय क्षेत्र की जनता के बीच आकर समस्याओं के निराकरण को लेकर ठोस कदम उठाने चाहिए ताकि जनता ने जिस सोच के साथ समर्थन दिया है उन्हें अपने फैसले पर अफसोस नही हो।

आरटीओ अधिकारी बिरामी टोल पर अंधेरे में नहीं दिन के उजाले में बिरामी टोल पर खुल्ले आम लुट रहे हैं ट्रक डाईवरो को

भाड़े के कार्मिकों को खाकी पहनाकर की जा रही लाखों की अवैध वसूली हर ट्रक वालो दो सौ पाँच सौ तक ले रहे है नोट

ईस सडक पर दो मंत्रीजी व सैकडों अधिकारी माउंट आबू पर मंत्रीजी व राज्यपाल महोदय आते जाते रहते हैं

सुमेरपुर से अधिकारी व दलाल अस्थाई कर्मचारी लुट रहे है दिन-रात

अधिकारी गाडी में बैठकर भाडे के कार्मिकों से अवैध वसुली करवाते है

चौबीसों घंटे वसूली चालु रहती है टीम अलग अलग आती है टोल पर

यह अधिकारी डरते नही है पैसा लेने से मंत्रीओ के सामने लेते है धन

द पुलिस पोस्ट

सुमेरपुर (बिरामी) प्रदेश में सरकार बदल गई है स्थानिय विधायक व कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत खुद को तेजतर्रार मंत्री कहे जाने वाले के इलाके मे हो रहा है सबसे ज्यादा भष्ट्राचार व भाजपा आलाकमान ने प्रदेश की बागडोर एक ऐसे नेता को सौंपी है जो सीधे जमीन से जुडा हुआ है। जिसे आम आदमी की समस्याओं की तह तक जानकारी है। इससे जनता में भी यह विश्वास जगा है कि प्रदेश को अब भ्रष्टाचार से मुक्ति मिल सकेगी। पाली जिले के कई अधिकारी आज भी इसे नजरअंदाज कर रहे है।

इसमें एक परिवहन विभाग भी है। इस विभाग के लिए आज भी यह कहावत चरितार्थ हो रही है कि चाहे राज बदल गया हो मगर रिवायत जारी है। प्रदेश में सरकार बदल जाने के बावजूद परिवहन विभाग के इंस्पेक्टर आज भी ट्रक चालकों को एन्ट्री के नाम पर लूटने से बाज नहीं आ रहे है मंत्रीजी के ग्रह इलाके व उपखंड मुख्यालय से महज 22 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बिरामी टोल प्लाजा जो संभवतः क्षेत्र का सबसे व्यस्त टोल प्लाजा कहलाता है। यह वह राजमार्ग है जहां से प्रतिदिन कई अधिकारी व नेता अपने वाहन लेकर गुजरते है। इसके बावजूद परिवहन विभाग के अधिकारियों को इनका कोई खौंफ नहीं है। यहां प्रतिदिन अलग अलग पारियों में आरटीओ इंस्पेक्टर जिनके साथ एक या दो विभागीय कार्मिक होते है,शेष सभी भाडे के आदमियों को वर्दी पहनाकर टोल के दोनों तरफ खड़े रखकर आते व जाते

ट्रकों को रोककर उनसे एन्ट्री के नाम पर दौ से लेकर पांच सौ की वसूली करते है। इस खेल में सबसे बडी बात यह है कि इनके साथ जो इंस्पेक्टर होता है वह अपनी गाडी से बाहर नहीं निकलता है और चालक को अपने पास ही बैठाए रखता है। वसूली के दौरान जरा सा भी अंदेशा होता है तो सडक के दोनों तरफ खडे भाडे के कार्मिक दौड कर तत्काल गाडी में चढ जाते है और साहब गाडी लेकर वहां से खिसक लेते है। इसमें सबसे बडी बात तो यह है कि इनका एक आदमी सादा वर्दी में टोल के आसपास ही रहता है। जब सब कुछ शांत होता है उसका सिग्नल मिलते ही फिर से गाडी आकर खडी हो जाती है और एन्ट्री के नाम पर लूट यह खेल फिर से शुरू हो जाता है। ऐसा नहीं कि टोल प्लाजा पर हो रही इस प्रकार की लूट खसौट के बारे में उच्चाधिकारियों को कोई जानकारी नहीं है। उनको इस बात की जानकारी होने के बावजूद इन अधिकारियों के खिलाफ किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं होना आश्चर्य की बात है। कहने को तो भ्रष्टाचार को रोकने के लिए भ्रष्टाचार निरोधक विभाग भी कार्य करता है। मगर वे भी कार्रवाई तभी करते है जब उनके पास कोई व्यक्ति लिखित शिकायत लेकर पहुंचता है। लेकिन शायद उनके पास इस प्रकार से खुले आम हो रहे भ्रष्टाचार को रोकने के लिए उनके पास स्वसंज्ञान जैसा कोई ब्रह्मास्त्र नहीं है। यहीं वजह है कि प्रतिदिन हजारों नजरों के सामने खुले आम गरीब तबके के एक ट्रक ड्राईवर के साथ हो रहे इस भ्रष्टाचार को रोकने में जिला स्तरीय अधिकारी व पुलिस नाकाम साबित हो रहे है हर ट्रक डाईवर पैसा वाला नही होता है फिर भी दवाब बनाकर चौथ वसुली करते रहते है डाईवरो को पुछने पर सवाल आता है हमे परेशान किया जाता है गाडियाँ का तेल भी जलता है और टाइम भी खराब करते है हमे हमारे मालिक जल्दी पहुँचने का कहते है और यह आरटीओ के गुर्गे हमारी गाडियाँ रोककर परेशान किया जाता है परिवहन अधिकारी नही डरते है पैसा लेने से बिरामी टोल नाके से रोजाना दो मंत्रीजी व सासंद राज्यसभा सांसद सहित सैकड़ों अधिकारी व माननीय राज्यपाल महोदय व माननीय उच्च न्यायालय के न्यायधीश सहित अन्य जनप्रतिनिधि निकलते है फिर भी यह आरटीओ अधिकारी व अस्थाई कर्मचारी वर्दी पहनकर अवैध वसुली करते रहते है इतनी बार अखबारो मे प्रकाशित होने के बाद भी आज तक कोई कारवाई नही हुई तब ईनकी हिम्मत बढ रही है इनको कोई नही रोकता है इसलिए ईनकी हिम्मत बढ रही है सुमेरपुर विधायक जोराराम कुमावत व सिरोही विधानसभा क्षेत्र के विधायक ओटाराम देवासी यह दोनो राजस्थान सरकार मे मंत्री है। कांग्रेस के विधायक विपक्षी दलों के नेताजी भी निकलते है क्या यह अधिकारी सत्ताधारीओ व विपक्षियों को खरीद कर रखा हुआ है इसलिए यह आवाज नही उठाते है ।

छावनी क्षेत्र में आवासीय योजनाओं मे वाणिज्यिक बिल्डिंग की पार्किंग की जगह पर दुकाने बनाने वालों के विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए

होली चौंक मे बिल्डिंग लाईन से बहार निमार्ण खाँचा भूमि नही मिलने के बाद कर रहे है निमार्ण

पालिका प्रशासन ने एक पार्किंग को सीज कर लोगों मे डर बनाने के लिए सीज किया था

बाजार में लगातार बन रहे हैं काम्पलैक्स बिना पार्किंग के पालिका प्रशासन कारवाई क्यू नही कर रहा है

नेताओं के शह पर अवैध निर्माण व अतिक्रमण व बिना भू उपयोग परिवर्तन व बिना पार्किंग वालो से वसुली कर रहे है फिर कारवाई कोन करेंगे

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र के छावनी क्षेत्र में होली चौक की जगहों का फायदा उठाकर एक सेठ द्वारा बिना खाँचा भूमि स्वीकृत किए सड़कों पर अतिक्रमण किया जा रहा है एक तरफ तो पालिका प्रशासन खाँचा भूमि के नाम पर करोड़ों की बंटरबाट की है एक तरफ बिना खाँचा भूमि दिए निर्माण करवा रहा है कितनी हद पार करेगा पालिका प्रशासन इस भूमि के लिए भी उन्होंने नहीं स्वीकृत करवाने के लाखों रुपए लिए होंगे क्योंकि अधिकारी को सिर्फ सेटिंग पसंद है कि अधिकारी को पता है कि मुझे जाना ही है फिर भी राजस्थान सरकार वह स्थानीय विधायक व राजस्थान सरकार के मंत्री ऐसे अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई क्यों नहीं करते हैं जहां देखो वहां पर अतिक्रमण हो रहे हैं अब अवैध निर्माण हो रहे हैं बिना पार्किंग के काम्पलैक्स बना रहे हैं उसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है पालिका प्रशासन क्योंकि पालिका का हाल ऐसा कर दिया क्योंकि पालिका अध्यक्ष द्वारा कहा जाता है कि मेरे हाथ में कुछ नहीं है इसलिए यह अधिकारी कुछ सत्ताधारी नेताओं के साथ फायदा उठा रहे है क्योंकि सुबह आते ही वह लोग आकर बैठ जाते हैं एक तरफ भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल अध्यक्ष वह और दो चार नेता आकर पूरे दिन नगर पालिका में अपनी ड्यूटी दे रहे हैं क्योंकि उनको पता है कमाई है नगरपालिका से ही है इसका फायदा उठा रही है लोग क्योंकि ऐसे तो उनको कोई फायदा होता नहीं करवाना बिना स्वीकृति निर्माण करवाना खार्चा भूमि का फायदा उठाना उसके बाद यह लोग अवैध काम नहीं कर पाएंगे तो मिलेगा क्या शिवगंज की हालत ऐसी कर दी है इन्होंने कीमत पूछो शिवगंज होली चौक में बड़े-बड़े काम्पलैक्स बना रहे हैं जिसमें पार्किंग व्यवस्था नहीं है पार्किंग की जगह दुकान बना दिए इस अधिकारी महोदय ने कुछ दिन पहले मुख्य सड़क पर एक काम्पलैक्स अंडर ग्राउंड सीज किया था फिर भी बाजार के अंदर अंडरग्राउंड में दुकान बना रही है क्योंकि इन्होंने दवाब डालने के लिए इस काम्पलैक्स को सीज किया था इसका फायदा उठाकर दूसरे काम्पलैक्स मालिक सीधा ही इनके पास आकर इन नेताओं के थ्रू सेटिंग हो रहा है शिवगंज शहर के कापलेक्सों की जांच करवाई जाए जिससे पता चल जाएगा कि अवैध निर्माण बिना पार्किंग काम्पलैक्स वह बिना स्वीकृति से पार्किंग की निर्माण स्वीकृति के विपरीत कार्य किया जा रहे हैं अगर किसी ने काम्पलैक्स के नीचे पार्किंग जैसा बना है वहां गाड़ी जाने का कोई रास्ता नहीं है फिर बाद में दुकान बना कर वहां पर बैचान कर देंगे क्योंकि पालिका में धन के आगे सब नतमस्तक है क्योंकि यह टुकड़े बाज लोग धन लेकर कुछ भी कर देते हैं इनको टुकड़े दो अधिकारी मान्यता का फजीर्वाड़ा करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र में जितने भी कांपलेक्सों के निर्माण स्वीकृति जारी हुई है उन सभी की जांच होनी चाहिए वह बिना पार्किंग के काम्पलैक्स निर्माण भी करते हुए उन सभी की जांच होनी चाहिए वह बिना निर्माण स्वीकृति से बंधे बहू मंजिल काम्पलैक्सो की जांच होनी चाहिए सरकारी जमीनों पर हुए अतिक्रमणों की भी जांच होनी चाहिए जो पार्किंग के विपरीत हुए अवैध निर्माण की जांच होनी चाहिए तब जाकर शहर की जनता को विश्वास होगा कि अब कुछ कार्रवाई हो रही है नहीं तो फजीर्वाडा करने वालों की शिवगंज में कमी नहीं है ऐसे ही शिवगंज शहर की हर गली मुख्य बाजार के अंदर सुभाष नगर पोस्ट ऑफिस रोड कॉलेज रोड गोकुल वाडी की मुख्य सडक वह नए बस स्टैंड पर तहसील रोड पर नगर पालिका रोड पर जागन्नाथ महादेव मंदिर वाले मुख्य सड़क पर बने सभी काम्पलैक्स व सभी काम्पलैक्स ओ कि नियमों अनुसार जांच करवाई जाए उस जगह पार्किंग व्यवस्था की जाए ऐसे ही मालीयावास अंबिका चौक होली चौक बड़ा जैन मंदिर रोड सहित अन्य सभी जगह पर बना काम्पलैक्स वह बने हुए सभी काम्पलैक्सो की जांच होनी चाहिए मुख्य बाजार छिपावास जवाई नदी रोड बजुरिया कॉलेज रोड पर वह रिको की तरफ जाने वाली सड़कों पर जितने भी काम्पलैक्स बने हैं वह बन रहे है इन सभी में पार्किंग व्यवस्था होनी वह अगर निर्माण स्वीकृति के विपरीत बने उन्हें तुरंत सीज करके यह निर्माण सीज करनी चाहिए वह शहर के आखिरीया चौक व आखरियों से कामबेश्वरजी जाने वाली सड़क पर बने वाणिज्य काम्पलैक्सो के निर्माण स्वीकृति की जांच होनी जरूरी चाहिए तभी इनमें हुए भ्रष्टाचार की जांच होगी इनका क्या कहना है शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र का संपूर्ण इलाका वह पैरा फेरी क्षेत्र में नियमों के विपरीत बन जाए वाणिज्य कांपलेक्सो वाणिज्य भवन के निर्माण स्वीकृतियों की जांच होनी चाहिए जो पार्किंग की जगह पर बनाए जा रहे दुकान की जांच कर तुरंत इन निमार्णों को हटाना चाहिए इन सभी को सीज करना चाहिए सभी नियमों के विरुद्ध बने काम्पलैक्सो की स्वीकृति की जांच होनी चाहिए वह जो भ्रष्टाचार पर हुए आवासीय क्षेत्र में वाणिज्य निर्माण की जांच करने अतिक्रमण हटाना चाहिए **जैसाराम माली पूर्व पार्षद नगर पालिका शिवगंज**

थाने में फोन पर बात करते-करते आई मौत

धोखाधड़ी के मामले में राजीनामा करने आया था;अचानक लड़खड़ाकर जमीन पर गिरा

उदयपुरवाटी। थाने में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में राजीनामा करने आए व्यक्ति को हार्ट अटैक आ गया। फोन पर बात करते-करते वह अचानक बेसुध होकर नीचे गिर गया। पास बैठी महिला कॉन्स्टेबल ने उसको संभाला और थाने के अंदर मौजूद पुलिसकर्मियों को आवाज लगाई। पुलिसकर्मी उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया। मामला नीमकाथाना जिले के उदयपुरवाटी थाने का है। पूरी घटना थाना परिसर में लगे उउळश कैमरे में कैद हो गई।

जमीन पर गिरा तो महिला कॉन्स्टेबल ने संभाला

एएसपी गिरधारी लाल शर्मा ने बताया- मोतीलाल सैनी (45) पुत्र बिड़दूराम सैनी निवासी जखरिया मोड़, गुड़ा ढेहर पंचायत (उदयपुरवाटी) शनिवार रात एक मामले में राजीनामा करने थाने आया था। रात करीब 10.13 मिनट पर फोन पर बात करते-करते वह लड़खड़ाकर जमीन पर गिर गया। मौके पर मौजूद कॉन्स्टेबल आशा ने उनको संभाला और साथी पुलिसकर्मियों को आवाज लगाई। पुलिसकर्मियों ने मोतीलाल को उदयपुरवाटी के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सा अधिकारी मनोज सैनी ने जांच के बाद उनको मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने बताया- हार्ट अटैक कारण उनकी मौत हुई है। मोतीराम के भाई हुकमाराम सैनी ने मौत के संबंध में जांच करने की रिपोर्ट दी है। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

मोतीलाल ने दर्ज कराया था धोखाधड़ी का मामला

एएसपी ने बताया- मोतीलाल सैनी ने 9 मई को उदयपुरवाटी थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था, जिसमें बताया कि उन्होंने अपने बहनोई सोहन लाल पुत्र भंवरलाल निवासी नवलगढ़ (झुंझुनूं) से मार्शल गाड़ी खरीदी थी। उन्होंने इस गाड़ी को बिना अपने नाम ट्रांसफर कराए उदयपुरवाटी के दीपपुरा गांव के रहने वाले रोहिताश पुत्र बालूराम को बेच दी। उसने भी गाड़ी के कागज अपने नाम ट्रांसफर नहीं कराए और 10 हजार रुपए भी नहीं दिए थे। रोहिताश ने भी गाड़ी नागौर के बागोट (बाजवास) के रहने वाले रुमाल निकता पुत्र सनक निकता को बेच दी। मोतीलाल ने बताया- वह बार-बार सभी से गाड़ी के कागज अपने नाम करवाने के लिए कहते रहे। जब कोई हल नहीं निकला तो उन्होंने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

समझौता होने पर थाने में जानकारी देने जा रहा था

एएसपी शर्मा ने बताया- इसी मामले में शनिवार रात को सभी लोग थाने में राजीनामा करने आए थे। गाड़ी के अंतिम खरीदार रुमाल ने 50 हजार रुपए देकर गाड़ी लेकर जाने की बात कही थी। इस पर रुमाल ने ऑनलाइन पेमेंट देना चाहा, लेकिन मोतीराम ने नकद में रुपए लेने की बात कही। रविवार सुबह नकद रुपए देने की बात पर दोनों पक्षों में समझौता हो गया। इसके बाद मोतीराम समझौते के बारे में बताने के लिए थाने के अंदर जा रहा था, तभी अचानक लड़खड़ाकर जमीन पर गिर गया।

मार्च में हुआ था हार्ट का ऑपरेशन

परिजनों के अनुसार, मार्च के महीने में मोतीराम का हार्ट का ऑपरेशन हुआ था। उनके पिता की पहले ही मौत हो गई थी। उनके बेटे भी अभी छोटे हैं। घर में मोतीराम के अलावा कमाने वाला कोई नहीं था। ऐसे में मोतीराम को डर था कि बेची हुई गाड़ी से कोई हादसा हो गया तो उसके पास देने के लिए कुछ भी नहीं है।

एक महीने में अचानक हार्ट अटैक से मौत का चौथा मामला

इस महीने में अचानक हार्ट अटैक से मौत का यह चौथा मामला है। इससे पहले 5 जुलाई को अजमेर में होमगार्ड हरिराम गुर्जर (35) को खड़े-खड़े हार्ट अटैक आ गया था। अटैक आते ही वह जमीन पर गिर गया और उसकी नाक से खून बहने लगा था। बिल्डिंग के लोग तत्काल हॉस्पिटल लेकर गए, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। 6 जुलाई को दौसा के बांदीकुई में क्लास रूम में जाने से पहले अचानक से 10वीं क्लास का स्टूडेंट यतेंद्र (16) पुत्र भूपेंद्र उपाध्याय गिर पड़ा। स्कूल के टीचर उसे हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। 18 जुलाई को अजमेर के पीसांगन में भजन संध्या में नाचते-नाचते बाबूलाल कहार (54) गश खाकर नीचे गिर गया। वहां मौजूद लोग उसको लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया।

राजस्थान में 50 हजार से ज्यादा मौतें हो रहीं

कउटफ की ताजा स्टडी रिपोर्ट बताती है कि भारत में 4 करोड़ मरीज दिल की बीमारी के हैं। हर साल 7 लाख लोगों की हार्ट अटैक से मौत हो जाती है। राजस्थान में ये आंकड़ा सालाना 50 हजार है। डॉक्टर इसका सबसे बड़ा कारण डायबिटीज को मानते हैं। इंग्लैंड की जनसंख्या के बराबर देश में 8 करोड़ डायबिटीज के मरीज हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि अगर हार्ट अटैक से बचना है तो डायबिटीज को कंट्रोल रखना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, हर साल करीब 6 करोड़ लोगों की मौत होती है। इनमें से लगभग 32% मौतों की वजह कार्डियोवस्कुलर डिजीज है। यह बीमारी दुनिया में सबसे अधिक मौतों की वजह बनती है। हर साल लगभग पौने दो करोड़ लोग किसी-न-किसी हार्ट डिजीज के कारण जान गंवा रहे हैं।

पहले हार्ट डिजीज के ज्यादातर पेशेंट 60 साल से अधिक उम्र के होते थे। अब नई समस्या ये है कि बीते कुछ सालों में 30 साल से कम उम्र के लोग भी इसका शिकार बन रहे हैं। कोविड के बाद से तो जैसे हार्ट अटैक के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं।

कम उम्र में हार्ट अटैक के क्या हैं रिस्क फैक्टर्स?

लंबे अरसे तक माना जाता रहा कि उम्र के साथ हमारा दिल भी बूढ़ा होता जाता है। इसलिए उम्र बढ़ने के साथ हार्ट डिजीज के मामले भी बढ़ जाते हैं। लेकिन बीते सालों में युवाओं को हो रहे हार्ट अटैक और स्ट्रोक्स ने सबको चौंकाया है।

अनहेल्दी लाइफ स्टाइल

आजकल ज्यादातर बीमारियों की जड़ अनहेल्दी लाइफस्टाइल है। देर रात तक जगना, सुबह देर से उठना, एक्सरसाइज न करना, खाने में फास्ट फूड और तली-भुनी चीजें खाना। इसके कारण डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, ओबिसिटी जैसी लाइफस्टाइज डिजीज होती हैं, जो आगे चलकर हार्ट अटैक का कारण बनती हैं।

हाई ब्लड प्रेशर

हाई ब्लड प्रेशर हार्ट अटैक के सबसे बड़े रिस्क फैक्टर्स में से एक है। असल में ब्लड प्रेशर हाई होने का मतलब है कि ब्लड फ्लो में कोई समस्या है तो हार्ट को इसका फ्लो बरकरार रखने के लिए पंपिंग तेज करनी पड़ रही है। इससे ब्लड वेसल्स डैमेज होती हैं, दिल थक रहा होता है। जो कभी भी हार्ट अटैक या अरेस्ट की वजह बन सकता है।

हाई कोलेस्ट्रॉल लेवल

कोलेस्ट्रॉल हमारी ब्लड वेसल्स में जमा गाढ़े फैट की तरह है, जो खून की आवाजाही को बाधित करता है। इसके कारण ब्लड प्रेशर बढ़ता है। हार्ट को खून पंपिंग में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इसका लेवल जितना बढ़ता है, हार्ट अटैक के चांसेज भी उतने ही बढ़ते जाते हैं।

फैमिली हिस्ट्री

ब्रिटेन स्थित द हार्ट फाउंडेशन के मुताबिक, अगर किसी व्यक्ति के पेरेंट्स को या भाई-बहन को 60 साल से कम उम्र में हार्ट अटैक हुआ है तो उसे दूसरों के मुकाबले कम उम्र में हार्ट अटैक की आशंका अधिक होती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश साल 2016 की एक स्टडी के मुताबिक, बच्चों और युवाओं में हार्ट अटैक के बड़े रिस्क फैक्टर्स में एक स्मोकिंग भी है।

नगर विकास न्यास भीलवाड़ा के घोटालों की श्रृंखला में द पुलिस पोस्ट का नया खुलासा

यूआईटी भीलवाड़ाः कोई घूम रहा एक बार मुआवजे के लिए तो किसी को मिल रहा दोहरा मुआवजा भुगतान

एसीबी की जांच में खुलेंगी परतें तो कई की फंस जायेगी गर्दन जिले के साथ न्यास के अधिकारी कारवाई करने मे दिखा रहे उदासीनता क्या है बड़ा कारण......?

नगर विकास न्यास,भीलवाड़ा का मुआवजे पर मुआवजा और अन्य बड़े भ्रष्टाचारी सांठ-गांठ खेल आया सामने

गुमी पत्रावली कहा से आ रही है लाने वाले के खिलाफ क्यों नहीं दर्ज करवाई जा रही fir......? क्या है कारण

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा। नगर विकास न्यास, भीलवाड़ा ने अवार्ड संख्या 30/6 की पालना में विलेख (पार्ट) दिनांक 31.03.2021 को जारी किया जो कि भूमि अवाप्ति पत्रावली संख्या 30/6 निर्णय दिनांक 16.12.2008 खातेदार राजेन्द्र कुमार, सुशील कुमार पिता रकब लाल, बाली बाई पत्नी रकब लाल महाजन 3/4, कृष्णा देवी पत्नी रोडूमल लोगड 1/4 हिस्सा जरीए पंजीकृत मुख्तियार आम से सत्यनारायण गग्गड पुत्र बंशीलाल गग्गड को खसरा नं. 7601 राजस्व ग्राम पुर क्षेत्रफल 04-04 बीघा का दे दिया था जिससे उक्त भूमि का मुआवजा सत्यनाराण पुत्र बंशीलाल गग्गड को मिलना था इस संदर्भ में जब गहराई से अध्ययन किया और सुत्रो से जानकारी एकत्रीत करने पर सुत्रो ने बताया कि उक्त आराजीयत का मुआवजा वर्ष 2018 में ले लिया गया था, लेकिन नगर विकास न्यास के वर्ष 2021 में मौजुदा अधिकारी व कार्मिकों के बडी सांठ गांठ के चलते पुरानी की मुआवजे की पत्रावलीयां गायब होने से दूषित दस्तावेजातों के माध्यम से दूसरी फाईल तैयार करके दूसरी बार मुआवजा बेखोफ होकर राज्य सरकार के कोष को हानी पहुचाते हुए अधिकारी व कार्मिकों की निगरानी में मुआवजा उठा लिया गया, जो कि रामप्रसाद लढ़ा बहुउदेश्य नगर योजना में 3-डी-26,3-डी-25 साईज 4070 प्रत्येक कुल क्षेत्रफल 622.22 वर्गगज का दिया गया था व मुआवजे में भूखण्ड संख्या 2-ई-1, 2-ई-2, 2-ई-5, 2-ई-6, 3-डी-1, 3-डी-24 इसके अलावा मुआवजे में अन्य भी भूखण्ड दिये गए थे पुराना मुआवजा जो वर्ष 2018 में दिया गया था उसकी पत्रावलीयां तो न्यास भीलवाड़ा के रेकॉर्ड से नदारद है। मुआवजे की रजिस्ट्री दिनांक 31.03.2021 को करवाई गई थी। जिसमें गवाह के रूप में नंद किशोर बसेर पुत्र रामनारयण बसेर निवासी संजय कॉलोनी भीलवाड़ा व दूसरे गवाह सुघन हिंगड पुत्र कन्हैया लाल हिंगड निवासी सुभाष नगर भीलवाडा का होना बताते हुए दिनांक 11.06.2021 को पुस्त संख्या 01 जिल्द संख्या 690 में पृष्ठ संख्या 180 क्रम संख्या 202103026105374 पर उपपंजीयक पंजीयन एवं मुद्रांक भीलवाडा प्रथम के यहा पंजीबद्ध किया गया। जिसमें खातेदारो के अलावा सचीव नगर विकास न्यास के स्पष्ठ हस्ताक्षर है जिसका उप नगर नियोजक न्यास भीलवाडा कनिष्ठ अभियंता, सचीव नगर विकास न्यास भीलवाडा ने साईट प्लान भी जारी किया था।

दोहरा मुआवजा उठाने के बाद बिना विलम्ब किस तरह किया बैचान का खेल

इस के पश्चात (1) राजेन्द्र कुमार आत्मज रकबलाल महाजन (हिंगड), (2) सुशील कुमार पिता रकब लाल महाजन (हिंगड), (3) श्रीमति बाली बाई पत्नी रकब लाल महाजन (हिंगड) ने जरीए पंजीकृत विक्रय पत्र श्रीमति सुनिता गर्ग धर्मपत्नी कमलेश कुमार गोयल निवासी 17-ए-12 बापू नगर भीलवाडा को दिनांक 27.07.2021 को विक्रय कर दिया जो पंजीयक कार्यालय में दिनांक 27.07.2021 को पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 147 में पृष्ठ संख्या 08 क्रम संख्या 202103253104284 पर पंजीकृत किया गया। आपसी बटवार के चलते जो कि उपपंजीयक कार्यालय भीलवाडा द्वितिय में दिनांक 30.06.2021 को पंजीबद्ध हुआ था उसीनुसार विक्रेय पत्र सम्पादित किया था इसके पश्चात नगर विकास न्यास भीलवाडा से ऑनलाईन नामांतरण सुनिता गर्ग पत्नी कमलेश कुमार गोयल दिनांक 30.08.2021 को कराया गया था। जिसका क्रमांकः यूआईटी-भीलवाडा/एफवाई-21-22/एमयूटी/2182 था। सुनिता गर्ग द्वारा उक्त भूखण्ड वरूण अग्रवाल पुत्र अशोक कुमार अग्रवाल निवासी आई-123 आजाद नगर भीलवाडा को भूखण्ड संख्या 3-डी-26 दिनांक 29.04.2022 को जरीए पंजीकृत विक्रेय पत्र विक्रेय किया गया जो उप पंजीयक कार्यालय में पंजीबद्ध हुआ जिसका नामांतरण भी वरूण अग्रवाल ने क्रमांकः यूआईटी-भीलवाडा/एफवाई-22-23/एमयूटी/520 दिनांक 17.06.2022 को करा लिया। साथ ही एक भूखण्ड जिसका क्रमांक 3-डी-25 था वह सुरेश अग्रवाल नामक व्यक्ति को बैचान किया गया था वरूण अग्रवाल ने खरीदे नियमानुसार भूखण्ड 3-डी-26 पर ऑनलाईन नक्शे हेतु दिनांक 14.03.2023 को आवेदन किया था लेकिन विडम्बना यह थी कि नगर विकास न्यास भीलवाडा के अधिकारी व कार्मिक ने दोहरा मुआवजा देने से व अपनी पूर्ति करने से प्रार्थी को हैरान व परेशान करनर चालू कर दिया और कोई सकारात्मक जवाब नहीं दिया जिसके चलते वादी वरूण अग्रवाल के पिता ने राज्य सरकर के नं. 181 पर परिवाद क्रमांक 0823215166541522 दिनांक 14.08.2023 को दर्ज कराया था जिसके बाद भी वादी वरूण अग्रवाल वह उनके पिता को व सुरेश अग्रवाल को गहनता से जांच करने के बाद मालूम चला कि उक्त मुआवजा पूर्व में उठ चूका है इसलिए कार्रवाई की जा रही है इसलिए आपका नक्शा पास नहीं हो सकता है सुनते ही सुरेश भोचक्के रह गए जिंदगी में पाई पाई जोडकर एक भूखण्ड लिया था लेकिन भू-कारोबारियों व भू-माफियाओं के चलते सारे सपने धूमिल हो गए। जब यूआईटी भीलवाडा द्वारा दोहरा मुआवजा इसके अलावा भी रामप्रसाद लढा नगर में किस दबाव में किस भू-माफिया अथवा दलाल सरपस्थि में दिया गया है और आमजन के साथ इतना बडा खिलवाड किया गया है साथ ही दोहरा मुआवजा देने वाले अधिकारियों व लिप्त कार्मिकों व भू-कारोबारियों व दूषित दस्तावेजों से दोहरा मुआवजे उठाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ क्यों आज तक एफआईआर दर्ज नहीं कराई है क्यों राजकोष को हुई हानी की वसूली करने में तत्परता नहीं बरती गई है। अधिकारी व कार्मिकों व सनलिप्त भू-कारोबारियों ने तो अपनी अद्दश्य पूर्ति कर ली है लेकिन दोहरे मुआवजे में सरकार के राजकोष की जिम्मेदारी कौन लेगा। क्या मुआवजे के समय पदस्थापित अधिकारी व कार्मिकों की तनख्वाह रोकने का कोई प्रावधान नियमों में नहीं है या एक बार सरकार की कुर्सी पर बिराजीत होने के बाद भ्रष्टाचार पर भ्रष्टाचार करना अधिकारी व कार्मिकों का अधिकार है बडी जांच का विषय है। नगर विकास न्यास भीलवाडा में मुआवजे की कई पत्रावलीयां गायब है लेकिन भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की छापामारी कार्रवाई के बाद कुछ फाईले जो कि पूर्ति करने के लिए किस भू-माफिया, भू-कारोबारी या दलाल कार्यालय से आकर नगर विकास न्यास में गुपचूप रूप से जमा हुई तो भी वर्तमान पदाधिकारी जो नगर विकास न्यास में बिराजमान है के कानो पर जू तक नहीं रेंगी क्यों नहीं एफआईआर दर्ज कराई क्यों नहीं नामों का खुलासा किया क्यों नहीं भ्रष्टाचार निरोधक विभाग को इस संबंध में पत्र जारी किया इन सभी कार्रवाईयों को देकर लगता है कि आज भी भले ही अधिकारी व कार्मिक नोकरी तो नगर विकास न्यास राजस्थान सरकार की करते है लेकिन जी हजूरी भू-कारोबारी और भू-माफियाओं की करते है जो कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो का जांच का एक बहुत बडा विषय है।

तेजसिंह सर्कल से ईरास सर्कल के मध्य यूआईटी के बड़े भूखण्ड पर बडे भू-कारोबारी ने निकाला सड़क मार्ग किया करोड़ो के भूखण्ड को खुर्दबुर्द...? कौन-कौन है शामिल...?

समाचार में प्रकाशित होने के बावजूद भी जिले के व न्यास के आलाधिकारी क्यों नहीं कर रहे है कार्रवाई किस आदेश से किसके संरक्षण में किसने बनाया बेशकीमती भूखण्ड पर सड़क...?

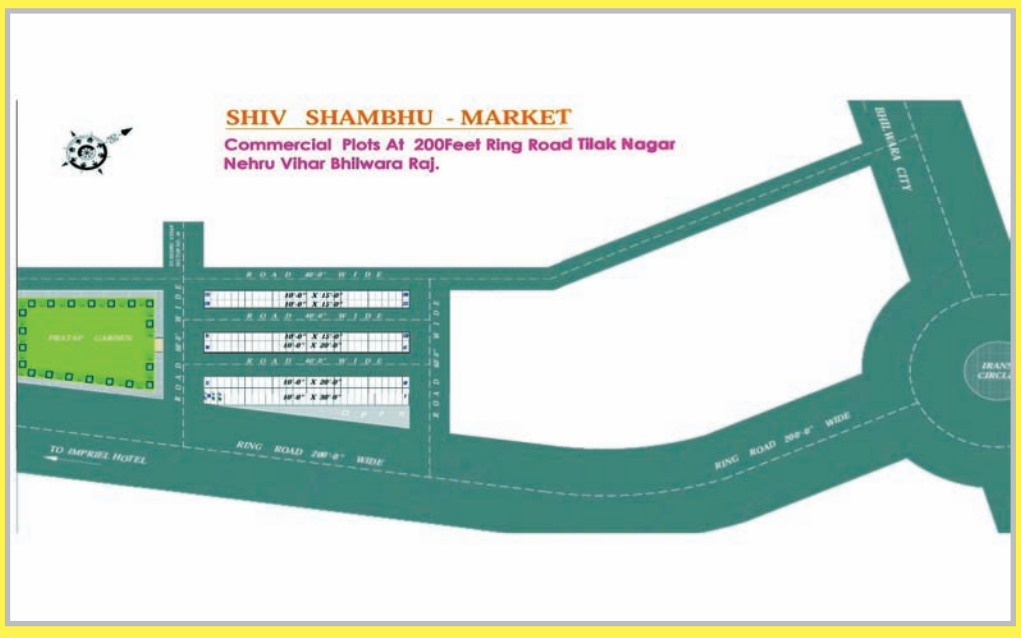

तेजसिंह सर्कल से ईरास सर्कल के मध्य यूआईटी के बने क्वार्टर के आगे मुख्य रोड़ स्थित निलामी में एक महिला अभ्यर्थी के नाम से भूखण्ड निलामी में छोडा गया जो अनुमानित 98 हजार 800 वर्गफीट का था। यूआईटी के मूल पास प्लान में उसके पास ही 2622.77 वर्ग मीटर का बेशकीमती भूखण्ड था उस पर भूकारोबारी न्यास के अधिकारियों व कार्मिकों से सांठ-गांठ कर 60 वर्गफीट का मौके पर रोड़ बनाने के लिए गिट्टी डाल कच्चा रोड बना दिया। इस मामले में विशेष सुत्रो से प्राप्त जानकारी अनुसार यह रोड़ यूआईटी द्वारा बनाया गया है जबकि पास प्लान में रोड़ की जगह एक बड़ा भूखण्ड है। जिसकी भी निलामी की जाती तो करोड़ो रूपए का राजस्व प्राप्त होता लेकिन यूआईटी के घाघ व चतूर कार्मिको व अधिकारियों की बदोलत इस अवैध कार्ये को गतिप्रधान कर बलपूर्वक पद का दूरूपयोग करके बना लिया गया। ऐसा क्या कारण है कि भ्रष्ट व दूषित आचरण करने वाले कार्मिकों व अधिकारियों के खिलाफ उच्च अधिकारी कडी कार्रवाई करने में कर रहे है गूरेज। जब 200 फीट पर आवासीय व व्यवसायिक भूखण्डो की निलामी कि दर में जमीन आसमान का अंतर था तो क्यों यूआईटी के अधिकारी व कार्मिकों ने मिलकर आवासीय मल्टीस्टोरी की जगह को व्यवसायिक कर दि इसके पिछे कितने बडे बडे भू-माफिया व भू-कारोबारी व दलाल है क्यों नहीं जिले के आलाधिकारी व न्यास के अधिकारी कार्रवाई करने में करते है गूरेज क्यों नहीं आज दिन तक जांच कर भूखण्ड को किया निरस्त क्यों नहीं दर्ज कराई एफआईआर क्या न्यास के अधिकारी अपने किये भ्रष्टाचारी कृत्यों को व प्राप्त अद्दश्य लाभों को संरक्षण करने में या छूपाने में लगे हुण यह भी भ्रष्टाचार निराधक ब्यूरो के लिए जांच का एक बहुत बडा विषय है। क्या इसकी पत्रावली में नगर विकास न्यास भीलवाडा से गायब है या काई बडा सफेद पोश अद्दश्य रूप से बचा रहा है। वर्ष 2011 से क्यों नहीं कर रहे है आज दिनांक तक बांटे गए मूआवजों की जांच। जबकि राजस्थान विधानसभा में मुआवजे में दी गई राशि व अन्य का मामला विधायक उदयलाल भडाणा उठा चूके है फिर भी सरकार के कारींदे क्यों जांच को दबाना चाहते है व लम्बे समय से लिप्त न्यास के करोडपति कार्मिको को बचाना चाहते है। उल्लेखनीय है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अजमेर की टीम ने कुछ दिनों पहले नगर विकास न्यास का रिकॉर्ड जप्त किया है। लोगों का कहना है की गहराई से जांच होगी तो दोहरे भुगतान के मामले भी भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के सामने आ जाएंगे और इसके बाद कई बड़ी मछलियों की गर्दन एसीबी जांच में फंस सकती है। अब देखना होगा कि कितने दिनों तक बकरे की अम्मा खैर मनाती है वाली कहावत चरितार्थ होती है

अवार्ड संख्या 30/6 की पालना में विलेख (पार्ट) लिखा में दिया दो बार मुआवजा क्यों नहीं की सनलिप्त अधिकारियों व कार्मिकों के खिलाफ कडी कार्रवाई, क्यों नहीं की दोहरे मुआवजे के वसूली कि कार्रवाई और ऐसे कितने बांटे दोहरे मुआवजे...? दोहरे मुआवजे देते वक्त कौन कौन अधिकारी व कौन कौन कार्मिक थे शामिल किस भू-माफिया, भू-कारोबारी ने कराया कार्य, बडी जांच का विषय, क्यों जिले के आलाधिकारी व न्यास के आलाधिकारी ने आज तक नहीं की कार्रवाई...?

कार्यालय नगर विकास न्यास, भीलवाडा

न्यास की विभिन्न योजनाओं में आवासीय एवं वाणिज्यिक भूखण्डो की नीलामी दिनांक 26.12.2022 (monday) सुबह 11.00 बजे से दिनांक 4.01.2023 (wednesday) को दोपहर 3.00 बजे तक ऑनलाईन, एस.एस.ओ. आई.डी. के माध्यम से की जायेगी। भूखण्डो का विवरण निम्न सारणी के अनुसार है।

क्र.सं.	भूखण्ड संख्या	आकार (फीट)	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्ग फीट में)	सड़क की चौड़ाई फीट में	प्रति वर्ग फीट दर (रू में)	न्यूनतम आरक्षित बोली रू में	अमानत राशी रू में
	आजाद नगर योजना						
1	M-27(corner)	(42+48)/2X64	2880	30/40	2050	5904000	118080
2	Q-29	30X64	1920	60	2200	4224000	84480
3	E-253(corner)	24X64	1536	40/40	2700	4147200	82944
4	C-186	19x61	1159	17	3400	3940600	78812
5	M-21	30X64	1920	30	2050	3936000	78720
6	M-23	30X64	1920	30	2050	3936000	78720
	बापु नगर योजना						
7	F-524	49X89	4361	100	2750	11992750	239855
8	F-525	49X89	4361	100	2750	11992750	239855
9	G-495	39X89	3471	100	3300	11454300	229086
	आर. सी. व्यास						
10	4-J-12(corner)	55X89	4895	200,60	7100	34754500	695090
11	10-H-1	(134+132)/2X60	7980	60	6600	52668000	1053360
12	7- G-37(corner)	(89+93)/2X64	5824	40/200	4850	28246400	564928
13	10-B-27	(69+74)/2x57	4075.5	200	6600	26898300	537966
14	7-I-14(corner)	(65+53)/2X89	5251	200/40	4850	25467350	509347
15	7-D-1(corner)	51X89	4539	200/30	4900	22241100	444822
16	7-D-9	49X89	4361	200	4850	21150850	423017
17	7- G-1(corner)	(89+87)/2X49	4312	30/200	4850	20913200	418264
18	4-A-26(corner)	(49+56)/2X49	2572.5	30/30	7100	18264750	365295
19	4-N-1(corner)	(30+43)/2X (68+72)/2	2555	60/30	7100	18140500	362810
20	4-P-36 (Corner)	(49+48)/2x49	2376.5	30/30	6503	15454380	309088
21	9-F-19(corner)	(46+38)/2X49	2058	30/30	6200	12759600	255192
22	9-J-1 (corner)	18X36	648	30,30	6200	4017600	80352
	तिलक नगर						
24	plot no 14 multy story near tej singh circle	as per site	46800	200	1100	51480000	1029600
25	9-K-21	39x89	3471	80	3550	12322050	246441
26	11-B-22(corner)	(81+73)/2X69	5313	40,40	3400	18064200	361284
27	1-M-20	47X89	4183	80	2390	9997370	199947
28	11-D-22(corner)	40X64	2560	30/40	3400	8704000	174080
29	12-G-1	32.5X90	2925	50	2630	7692750	153855
30	12-G-4	48X90	4320	50	2630	11361600	227232
	नेहरू विहार						
31	16/61(corner)	30x60	1800	40/40	2700	4860000	97200
32	17/224(corner)	30x60	1800	30/30	2500	4500000	90000
	विजयसिंह पथिक नगर विस्तार योजना						
33	C-20	39X69	2691	40	4300	11571300	231426
34	C-26	39X69	2691	40	4300	11571300	231426
	मोहन लाल सुखाडिया नगर						
35	1/40(corner)	(41+32)/2X64	2336	40/100	2704	6316544	126331
36	1/51(corner)	(19+41)/2X64	1920	30/30	2704	5191680	103834
	पटेल नगर विस्तार						
37	4-A-12(corner)	(162+140)/2X125	18875	60/40	1900	35862500	717250
38	4-B-12(corner)	(116+140)/2x125	16000	60/40	1800	28800000	576000
39	2-Educational	160X120	19200	160	900	17280000	345600
	पटेल नगर						
40	10-C-19	30x64	1920	40	2500	4800000	96000
	पंचवटी						
41	E-1	(94+64)/2x90	7110	60,60	1559	11084490	221690
42	C-406	25X37	925	30	2700	2497500	49950

TERMS AND CONDITIONS

1. अमानत राशि : ऑनलाईन नीलामी में भाग में भाग लेने वाला व्यक्ति आवास के प्रारम्भिक मूल्य की 2 प्रतिशत राशि अमानत के रूप में जमा करा नीलामी में भाग ले सकेगा। सफल बोली दाता की अमानत राशि विक्रय मूल्य में समायोजन की जायेगी एवं असफल बोलीदाता की अमानत राशि पुर्नभुगतान कर दी जायेगी।
2. उच्चतम बोलीदाता को बोली की 15 प्रतिशत राशि अध्यक्ष महोदय द्वारा नीलामी स्वीकृत दिनांक से 3 दिवस में जमा करानी होगी। उक्त राशि जमा नहीं कराने की स्थिति में बोलीदाता की जमा अमानत राशि न्यास पक्ष में जब्त की जाकर बोली स्वतः ही निरस्त समझी जायेगी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक उपेन्द्रसिंह राठौड़, अम्बर ऑफसेट प्रा ।लि ।डीएल टॉवर, 3ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र जेएलएन मार्ग जयपुर से मुद्रित एवं भू-तल ऑरबिट मॉल, सिविल लाइंस, जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित, 99280-96524, पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, अनिल मलिक (सहसंपादक) 8696750000, पंकज गर्ग (प्रबंध संपादक) 01482-455184, 9214417111